वर्ष-18 अंक-277 रायपुर, रविवार 06 जुलाई 2025 पृष्ठः8 मूल्यः3

उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

मराठी एकता पर उद्धव-राज 20 साल बाद एक मंच पर

राज बोले- जो बालासाहेब नहीं कर पाए, वो फडणवीस ने किया; उद्धव ने कहा- हिंदी थोपें नहीं

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर मुंबई के वर्ली डोम में रैली की। इस मौके पर राज ठाकरे ने कहा , मैंने अपने इंटरव्यू में कहा था कि झगड़े से बड़ा महाराष्ट्र है। 20 साल बाद हम एक मंच पर आए हैं आपको दिख रहे हैं। हमारे लिए सिर्फ महाराष्ट्र और मराठी एजेंडा है, कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा, जो बाला साहेब ठाकरे नहीं कर पाए, जो और कोई नहीं कर पाया, वो देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया, हमें एक कर दिया। आपके पास विधान भवन में ताकत है, लेकिन

हमारे पास सड़कों पर ताकत है।

इसे विजय रैली नाम दिया गया है। इसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल नहीं हुई है। यह रैली किसी भी झंडे या पार्टी के बैनर तले नहीं की जा रही है। कहा गया है कि मराठी एकता के लिए सभी दल साथ आ सकते हैं। उधर, करीब 20 साल बाद उद्धव- राज ठाकरे एक मंच पर नजर आएंगे। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) बनाई थी।दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने इस साल 16 और 17 अप्रैल को हिंदी अनिवार्य करने से जुड़े दो आदेश दिए थे। इसके विरोध में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 5 जुलाई को संयुक्त रैली का ऐलान किया था। बाद में 29 जून को सरकार ने दोनों आदेश रद्द कर दिए। इस पर उद्धव दावा किया कि विपक्षी पार्टियों के विरोध की वजह से सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा। उन्होंने 5 जुलाई की विरोध रैली को भी विजय रैली के रूप में करने की बात कही थी।

ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी हैं पंचायती राज संस्थाएं : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी हैं पंचायती राज संस्थाएं

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के निमोरा स्थित ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के लिए तीन दिवसीय आधारभूत/उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी हैं। नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के रूप में आप सभी के पास बहुत बड़ा अवसर और बड़ी जिम्मेदारी है। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो एक व्यक्ति भी पूरे जिले की तस्वीर बदल सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोक कल्याण की भावना से जनता की सेवा करने वालों को जनता स्वयं आगे बढ़ाती है। अपने राजनीतिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने भी अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत पंच के रूप में की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि राजनीति में आऊंगा। 10 वर्ष की आयु में पिताजी के स्वर्गवास के बाद मेरे कंधों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई। मेरा पूरा जीवन संघर्ष में बीता। मैं सरपंच भी बनूंगा, यह मैंने कभी कल्पना नहीं की थी, लेकिन जनता का आशीर्वाद मिला, जिससे विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुछ कर गुजरने के लिए संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण इच्छाशक्ति होती है। जनहित में कार्य करने की सोच से अकेला व्यक्ति भी बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे जिन प्रेरणादायी लोगों के जनसेवा के कार्यों को निकट से देखने का अवसर मिला, उनमें ओडिशा के डॉ. अच्युत सामंत और नानाजी देशमुख का उल्लेख करना चाहूंगा। अभावों में पले-बढ़े डॉ. अच्युत सामंत ने आजीवन जनता की सेवा का संकल्प लिया और भुवनेश्वर में एक बड़ा शिक्षण संस्थान स्थापित किया।

इस संस्थान में वे लगभग 25 हजार जनजातीय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसी तरह, चित्रकूट में नानाजी देशमुख ने दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान के माध्यम से 500 गांवों को गोद लेकर उनके सर्वांगीण विकास का कार्य किया। वर्ष 2006-07 में जब मैं वहां गया, तब मुझे पता चला कि अब तक 80 गांवों को उन्होंने आत्मनिर्भर बना दिया है। इन गांवों में हर परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कार्य किया गया। ये उदाहरण हमें यह बताते हैं कि एक व्यक्ति भी कितना बड़ा परिवर्तन ला सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हर दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है। यहां 44 प्रतिशत भूभाग पर वन हैं। यहां की मिट्टी उर्वरा है और किसान मेहनतकश हैं। छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी बाधा था, जिसे हम समाप्त कर रहे हैं। जो नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उनके लिए हमने एक उत्कृष्ट पुनर्वास नीति बनाई है। जल्द ही राज्य नक्सलमुक्त होगा और बस्तर में सड़क, बिजली, पानी सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर संभाग के मुलेर ग्राम का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के आदिवासियों को राशन के लिए 25 किलोमीटर का पैदल सफर करना पड़ता था, जिसमें तीन दिन लगते थे। कल्पना की जा सकती है कि यह इलाका विकास में कितना पीछे था। हमने मुलेर को अलग पंचायत बनाने का निर्णय लिया और वहां राशन दुकान खोली। जब मैं वहां गया, तो लोगों की खुशी उनके चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों से कहा कि गांवों का विकास किए बिना हम विकसित छत्तीसगढ़ नहीं बना सकते। प्रशिक्षण के इस समय का पूरा लाभ उठाएं। यह सदैव ध्यान रखें कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करें। प्रवास और निरीक्षण से प्रशासनिक कसावट आती है और विकास कार्यों को गति मिलती है।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल तनखैया घोषित

तख्त पटना साहिब के पंच प्यारों का आदेश; 2 बार किया था तलब, नहीं पहुंचे

लुधियाना,एजेंसी। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम और शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल को एक बार फिर तनखैया घोषित किया गया है। शनिवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब से ये आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सुखबीर बादल को 2 बार अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद ये फैसला लिया गया।

तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के फैसले के मुताबिक सुखबीर बादल ने सिद्धांतों, मर्यादाओं और पंज प्यारों के आदेशों का उल्लंघन किया। तख्त की प्रबंधक समिति के अधिकारों में दखल दिया। 9 और 10 मई 2023 को समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों को खुली चुनौती दी। पंज प्यारे सिंह साहिबों की जांच में स्पष्ट हुआ है कि इस साजिश में सुखबीर बादल की भी अहम भूमिका रही। पंज प्यारों ने 21 मई और 1 जून को सुखबीर बादल को अपना पक्ष रखने के लिए मौके दिए, लेकिन दोनों दिन वे तख्त के समक्ष पेश नहीं हुए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के विशेष अनुरोध पर उन्हें 20 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन तीसरे मौके पर भी तख्त के समक्ष उन्होंने अपना पक्ष नहीं रखा।

मप्र में 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को दी जाएगी साइकिल

भोपाल। यह आंकड़ा किसी भी राज्य सरकार द्वारा दी जा रही विद्यार्थियों को साइकिल वितरण का बहुत बड़ा है, जोकि मध्य प्रदेश में घटने जा रहा है। यहां मध्य प्रदेश की छात्राओं के लिए यह एक बड़ी खुशखबरी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें बड़ी संख्या में निशुल्क साइकिल दी जा रही है। इसके दिशा-निर्देश जारी करने के बाद अब इसके कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी गई है। इसमें कक्षा छठवीं और नवमीं की छात्राओं को साइकिल दी जाएगी।

अब इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स के माध्यम से जानकारी साझा की है। उन्होंने एक पोस्टर शेयर करते हुए कहा कि ÷10 जुलाई को प्रदेश में 15 लाख से अधिक स्कूली विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की जाएंगी।÷ वहीं, पोस्टर के अंदर लिखा हुआ है, शिक्षा की राह होगी साइकिल के संग आसान, कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को दी जाएगी निःशुल्क साइकिल। 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगी नई ऊर्जा, नई रफ्तार, समानता और सुविधा की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करते हुए बताया गया था कि ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थी, जिन स्कूल गांव या शहर से दूर हैं, उन सभी में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 6वीं और 9वीं की छात्राओं को केवल एक ही बार इसका लाभ मिलेगा। दोबारा एडमिशन लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। जिन ग्रामीण इलाकों में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं का स्कूल 2 किलोमीटर से अधिक दूर है उन्हें ये साइकिलें आवंटित की जाएंगी।

कमल हासन पर कन्नड़ भाषा-संस्कृति के खिलाफ बोलने पर रोक

बेंगलुरु की सिविल कोर्ट का आदेश ; एक्टर ने कहा था- कन्नड़ तमिल से जन्मी

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु की एक सिविल कोर्ट ने एक्टर कमल हासन को कन्नड़ भाषा और संस्कृति के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से रोक दिया है। कन्नड़ साहित्य परिषद ने कोर्ट में एक्टर के खिलाफ याचिका दायर की थी। शुक्रवार को दिए गए आदेश में अदालत ने कहा कि अगली सुनवाई तक कमल हासन कोई भी ऐसा बयान न दें जो कन्नड़ भाषा, साहित्य, संस्कृति या भूमि को आहत करे या बदनाम करे। मामले की अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी। इससे पहले 18 जून को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हासन को माफी मांगने की जरूरत नहीं है। वहीं, मामले में स्ट्र ने माफी मांगने का आदेश देने पर कर्नाटक हाईकोर्ट को फटकार भी लगाई थी। स्ट्र एक्टर की फिल्म कर्नाटक में रिलीज न करने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कमल हासन ने 24 मई को चेन्नई में ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान कन्नड़ को लेकर विवादित बयान दिया था।

अमरनाथ यात्राः चंदरकोट में काफिले की बसें टकराईं, 36 घायल

- **पहलगाम रूट पर हादसा, बस के ब्रेक फेल हुए थे ; अबतक 30 हजार दर्शन कर चुके**

श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं। खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है।

इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है।

यात्रा शुरू होने के दूसरे दिन शुक्रवार शाम 7 बजे तक 26,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर लिए थे। यह संख्या बढ़कर 30 हजार हो गई है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी।

38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। अबतक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। यहां रोज 2000 श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन जारी है।

संभल हादसे में दूल्हे समेत 8 की मौत पर दुखी हुए पीएम मोदी

मृतकों को पीएम राहत कोष से 2 लाख का ऐलान

संभल,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल में कल रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जाहिर किया है। यहां शुक्रवार देर शाम एक भीषण दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बारात जा रही बोलेरो कार कॉलेज की दीवार से अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसे में दूल्हे समेत 8 लोगों की मौत की खबर है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार दिया जाएगा।

पीएमओ के आधिकारिक हैंडल से पोस्ट में बताया- संभल में हुई दुर्घटना में जान गंवाने की घटना दुख प्रदान करने वाली है। हादसे में मरने वालों के प्रति संवेदना है और घायल जल्द ही स्वस्थ हो जाएं, ऐसी प्रार्थना है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख की राशि मिलेगी। वहीं घायलों को 50 हजार रुपये मिलेंगे।

जानकारी मुताबिक, संभल स्थित चंदौसी के गुन्नौर के जुनावई थाना क्षेत्र के गांव हरगोविंदपुर निवासी सूरज की बारात जिला बदायूं के थाना बिल्सी क्षेत्र में जा रही थी इस दौरान जुनावई के जनता इंटर कॉलेज की दीवार से बेकाबू बोलेरो कार जा टकराई, जिसमें दूल्हा सूरज (24), उसकी भाभी आशा (26) और आशा की बेटी ऐश्वर्या (दो), छह वर्षीय बालक विष्णु पुत्र मनोज और एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। 3 ने बाद में दम तोड़ा।

पुजारी ने मंदिर में दो बच्चियों के साथ किया दुष्कर्म

छतरपुर में परिजन पर त्रिशूल से हमला करने दौड़ा, लोगों ने कर दी पिटाई

छतरपुर (मध्य प्रदेश),एजेंसी। छतरपुर में 60 वर्षीय पुजारी पर मंदिर में दो बच्चियों से दुष्कर्म करने का आरोप है। बच्चियों के परिजन जब मंदिर पहुंचे तो पुजारी ने त्रिशूल से हमला करने की कोशिश की। लोगों ने उसे पीट दिया। शुक्रवार देर रात परिजन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पॉक्सो का केस आरोपी पुजारी को हिरासत में ले लिया है। घटना गढ़ीमलहरा की है। नाबालिग बहनों के परिजन ने पुलिस को बताया कि आरोपी भागवत शरण दुबे गांव के महाकाल आश्रम मंदिर का पुजारी है। वह ऊजरा का रहने वाला है और पिछले 4 साल से आश्रम में रह रहा है। गुरुवार को 5 और 6 साल की चचेरी बहनें घर जा रही थीं। इसी दौरान पुजारी प्रसाद देने के बहाने दोनों को मंदिर के अंदर ले गया। बच्चियों ने घर आकर परिजनों को बताया।

पहले भी ऐसी हरकत कर चुका है पुजारी :पहली बार जब पुजारी ने वारदात को अंजाम दिया तो परिजन उसे समझाने पहुंचे थे। इसके बाद दूसरी बार लोगों ने उसे गांव से भगाने का निर्णय लिया। उसे मंदिर से जाने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं गया। गुरुवार को तीसरी बार पुजारी ने बच्चियों के साथ गलत काम किया। इसके बाद पुलिस से उसकी शिकायत की गई। थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया, पुजारी भागवत शरण दुबे ने बच्चियों को प्रसाद देने के बहाने बुलाया। इसके बाद उनसे अश्लील हरकत की। एक बच्ची के प्राइवेट पार्ट को मुंह से काट दिया।

मेरी बात लिख लो ! गोयल चाहे जितनी छाती ठोक लें, ट्रंप के टैरिफ के आगे चुपचाप झुक जाएंगे पीएम

नई दिल्ली,एजेंसी। ट्रंप की ओर से टैरिफ लागू करने को लेकर बढ़ाई गई समयसीमा खत्म हो रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर अभी कोई बात नहीं बन पाई है। ऐसे में राहुल गांधी ने अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बने गतिरोध के बीच तय समय सीमा के आगे झुक जाएंगे। दरअसल, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। इस बार उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और पीएम मोदी को अमेरिकी टैरिफ नीति को लेकर घेरा है। राहुल गांधी ने अपने एक्स में कहा कि मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में आने वाली है और ट्रंप की तय समयसीमा के सामने झुक जाएगी। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा-पीयूष गोयल चाहे जितनी छाती ठोक लें, मेरी बात लिख लीजिए, मोदी ट्रंप की टैरिफ डेडलाइन के सामने चुपचाप झुक जाएंगे। कांग्रेस नेता ने ये बयान ऐसे समय पर दिया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक शुल्क को लेकर तनाव बना हुआ है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुछ सामानों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर विपक्ष

लगातार सवाल उठा रहा है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह कहा था :इधर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत व्यापार समझौते अपनी शर्तों पर करता है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली और पेरू जैसे देशों के साथ बातचीत चल रही है। भारत तभी समझौता करता है जब दोनों देशों को फायदा हो और भारत के हित सुरक्षित रहें। हमारे लिए देश का हित सबसे जरूरी है। भारत किसी भी डेडलाइन के दबाव में समझौता नहीं करता। जब कोई सौदा देश के लिए अच्छा होता है, तभी हम उसे मंजूरी देते हैं।

9 जुलाई को खत्म हो रही डेडलाइन :गौरतलब है कि भारत की ओर से यह साफ संदेश दिया गया है कि वह किसी दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगभग 100 देशों पर जवाबी टैरिफ लगाए थे, जिनमें भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था। हालांकि बाद में अमेरिका ने इन टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया था, लेकिन यह छूट 9 जुलाई को खत्म हो रही है। इसी वजह से इस व्यापार डील को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम नहीं करेगा भारत :एक प्रमुख मुद्दा यह है कि भारत ने मक्का और सोयाबीन जैसे अमेरिकी कृषि आयातों पर टैरिफ कम नहीं करने का कड़ा रुख अपनाया है। भारत में 80 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले डेयरी क्षेत्र में ट्रम्प प्रशासन ने व्यापक पहुंच की मांग की थी। यह भी विवाद का मुद्दा रहा है।

सरकारी सब्सिडी लेकर बैंकों ने गरीबों को नहीं दिए लोन

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में बैंक की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 13532 करोड़ रूपये की जिले की वार्षिक ऋण योजना (एनुअल क्रेडिट प्लान) का अनुमोदन किया गया। जो कि पिछले साल की वार्षिक योजना से 1 हजार करोड़ रूपया ज्यादा है। कलेक्टर ने कृषि क्षेत्र के अंतर्गत डेयरी एवं मछलीपालन क्षेत्र के लिए लोन देने में कंजूसी बरतने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लंबित सभी प्रकरणों की जांच कर त्वरित निर्णय लेते हुए ऋण स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में डेयरी एवं मछलीपालन अतिरिक्त आमदनी का सुगम जरिया है। उन्हें लोन मिलने पर उनकी आमदनी जहां बढ़ेगी, देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। कलेक्टर ने कुछ बैंकों द्वारा सरकारी सबसिडी उठाने के बावजूद गरीब हितग्राहियों को लोन स्वीकृत नहीं करने पर कड़ा एतराज जताया। संबंधित बैंक प्रबंधन के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि अंत्यावसायी योजना के तहत कोटा विकासखण्ड के दौ बैंक - सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया एवं पंजाब नेशनल बैंक तथा एसबीआई लखराम शाखा को लोन स्वीकृति की प्रत्याशा में एडवांस में सब्सिडी जारी किया गया था। लगभग दो साल से वे सरकारी सब्सिडी राशि को दबाकर बैठे हुए हैं। सरकारी सब्सिडी की राशि तीनों बैंक मिलाकर 8 लाख रूपये की है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के गरीब लोगों को छोटे-छोटे रोजगार के लिए ऋण एवं सरकारी अनुदान दिया जाना था। उनके द्वारा न तो हितग्राहियों को लोन दिया गया और न ही सब्सिडी को अंत्यावसायी समिति को वापस किया। कलेक्टर ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि बैंको के जरिए संचालित सरकारी योजनाओं में आमतौर पर गरीब वर्ग के लोग होते हैं। उन्हें छोटे-छोटे ऋण की जरूरत होती हैं। सहानुभूति पूर्वक समय-सीमा में ऐसे प्रकरणों को निपटाया जाना चाहिए। काफी लम्बे समय तक ऋण प्रकरण दबाकर न बैंठे रहें। यदि कोई प्रकरण ऋण देने योग्य नहीं है तो कारण सहित उन्हें वापस किया जाए ताकि कमियों को सुधारकर पुनः प्रकरण भेजा जा सके। अग्रवाल ने बैंकर्स से कहा कि लोन लेने वाले लोगों पर भरोसा करें। ऋण लेकर लोग जरूर पटाएंगे। बैंक से डिफाल्टर हो जाने पर जीवन में अन्य क्षेत्रों में सफलता मुश्किल होगी। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन से लाभान्वित होकर लोगों की जिंदगी संवर गई है। लेकिन अभी भी और ज्यादा मात्रा में लोन देने की जरूरत है। उन्होंने इन दो महीनों में अभियान चलाकर लोन बांटने के निर्देश दिए। स्वनिधि योजना के अंतर्गत दूसरी बार लोन लेने में आ रही कठिनाईयां दूर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में लोगों में जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपेक्षाकृत कम संख्या में बीमा दावा कर रहे हैं। दोनों योजनाओं के अंतर्गत केवल 1541 दावा किये गये हैं। इनमें से 1139 दावों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने वित्तीय साक्षरता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, आरबीआई रायपुर के सहायक महाप्रबंधक दीपक तिवारी, नाबार्ड के डीडीएम अशोक साहू, लीड बैंक मैनेजर दिनेश उरांव सहित सभी बैंकों के नियंत्रक अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

फोटोयुक्त मतदाता सूची मुद्रण के लिए निविदा 25 तक

बिलासपुर । जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले की छः विधानसभा क्षेत्रों 25-कोटा, 28-तखतपुर, 29-बिल्हा, 30 बिलासपुर, 31-बेलतरा एवं 32-मस्तूरी के लिये फोटोयुक्त मतदाता सूचियां मुद्रण कर, प्रदाय करने हेतु दर निर्धारण हेतु इच्छुक मुद्रकों एवं फर्मों से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2025 को दोपहर 3.00 बजे तक है।

अपूर्ण तथा नियत तिथि के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। प्राप्त निविदाएं दिनांक 25.07.2025 को सायं 04.00 बजे गठित समिति के द्वारा उपस्थित निविदाकारों एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

कोल लेवी घोटाला: हाई कोर्ट में संपत्ति कुर्की पर फैसला सुरक्षित

बिलासपुर । राज्य के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो IAS अधिकारियों, एक राज्य सेवा अधिकारी और मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को आरोपी बनाया है। इस घोटाले में 540 करोड़ रुपये की अवैध वसूली का आरोप है। ईडी और ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि इस रकम को आरोपियों ने अपने परिजनों और सहयोगियों के नाम पर विभिन्न संपत्तियों में निवेश किया। इसी आधार पर ईडी ने 30 जनवरी 2025 को PML एक्ट 2002 के तहत 49.73 करोड़ रुपये मूल्य की 100 से अधिक चल-अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया, जिनमें बैंक बैलेंस, नकदी, वाहन, जेवर और भूमि शामिल हैं।

संपत्ति कुर्की पर हाई कोर्ट में चुनौती: ईडी की कार्रवाई को सूर्यकांत तिवारी और उनके परिजनों सहित विभिन्न पक्षों ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में चुनौती दी है। च्छुस्रुकोल पावर, इंद्रमणि मिनरल्स और अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा कुल 10 याचिकाएं दाखिल की गईं, जिनकी एकसाथ सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं हर्षवर्धन परगनिहा, निखिल वार्ष्णेय, शशांक मिश्रा और अभ्युदय त्रिपाठी ने पक्ष रखा, जबकि ईडी की ओर से डा. सौरभ कुमार पांडे ने दस्तावेजी प्रमाणों के साथ एजेंसी की कार्रवाई को वैध ठहराया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

घोटाले की गहराई : एक संगठित साजिश: CBI की रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ जैसे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य में कोल लेवी के नाम पर एक संगठित साजिश के तहत दो वर्षों में 540 करोड़ रुपये की अवैध उगाही की गई। आयकर विभाग की शुरुआती जांच के बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की दिशा में कार्रवाई शुरू की थी।

जिनकी संपत्ति अटैच की गई

- सूर्यकांत तिवारी
- रजनीकांत तिवारी, कैलाशा तिवारी, दिव्या तिवारी
- पूर्व IAS समीर विश्नोई

पूर्व डिप्टी सचिव सौम्या चौरसिया, उनके भाई अनुराग चौरसिया, मां शांति देवी अन्य सहयोगी और कंपनियां इस घोटाले की जांच अब न्यायिक मोड़ पर पहुंच चुकी है, और हाई कोर्ट का निर्णय इस केस की दिशा तय करेगा। मामला छत्तीसगढ़ की राजनीति, प्रशासन और कारोबारी हलकों में बड़ी हलचल का कारण बना हुआ है।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0% के तहत 9 जुलाई को आयोजित होगा वृक्षारोपण का महाअभियान

गौरला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में हरियाली की नई इबारत लिखने जा रहा है हरित जीपीएम 100 महाअभियान, जिसका भव्य आयोजन 9 जुलाई को किया जाएगा। इस अभियान के तहत ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0 पर जिले के हर गांव में 100 पौधे और प्रत्येक आवास पर 2 पौधे लगाए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम मरवाही विकासखंड के ग्राम डोगरिया में आयोजित किया जाएगा, जहाँ एक ही दिन में 1000 से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इस ऐतिहासिक वृक्षारोपण के तहत कुल 30 से 40 हजार पौधे पूरे जिले में लगाए जाने का लक्ष्य है। इस अभियान में फलदार पौधे एवं छायादार पौधे लगाए जाएंगे। पौधारोपण उन स्थानों पर किया जाएगा जहाँ पानी और सुरक्षा की उचित व्यवस्था है, जैसे ङ्क स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, स्वयं सहायता समूहों के परिसर और सामुदायिक स्थल।

हर गांव में बिहान अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह, सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही तीनों जनपदों में सेक्टर अधिकारियों को मॉनीटरिंग की जवाबदेही दी गई है जिससे यह अभियान सफल हो। वन विभाग को इस महाअभियान का नोडल बनाया गया है और अभियान को सफल बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तथा उद्यानिकी की अहम भूमिका रहेगी। हरियाली का सपना, माँ के नाम-

÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम है। यह न केवल पर्यावरण को संवारने का कदम है, बल्कि यह माँ के प्रति श्रद्धा और समाज के प्रति ज़िम्मेदारी का भाव भी जगाता है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण नियम के तहत दर्ज मामलों की बैठक में समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण नियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में विशेष रूप से केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधायक धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि इस साल 1 जनवरी ऐ 20 जून तक छह महीनों में 22 पीड़ित व्यक्तियों के लिए 26 लाख रूपए की राहत राशि स्वीकृत की गई। इस राशि का भुगतान भी पीड़ित व्यक्तियों को कर दिया गया है। पीड़ित 22 लोगों में 19 अनुसूचित जाति एवं 3 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। सहायक आयुक्त ने बताया कि अपराध पीड़ित 22 लोगों में हत्या के 2, दैहिक शोषण के 8, छेड़छाड़ के 2 तथा अपमान एवं मारपीट के 10 प्रकरण शामिल हैं। कलेक्टर ने दर्ज मामलों के अंतर्गत पीड़ितों को समय पर राहत राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास पीसी लहरे ने अजा-जजा अत्याचारण निवारण नियम 1995 के प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अजा, जजा वर्ग के ऐसे जरूरत मंद व्यक्ति को तुरंत सहायता एवं राहत पहुंचाना है जो सवर्ण वर्ग के व्यक्ति अथवा समूह द्वारा प्रताड़ित हुआ हो तथा गरीबी के कारण संकटापन्न स्थिति में हो। अत्याचार पीड़ित की मौत पर 8.25 लाख, बलात्कार पर 4 लाख, छेड़छाड़ एवं मारपीट पर 2 लाख एवं अपमानित किये जाने पर 1 लाख रूपए की राहत राशि प्रदान किया जाता है। राहत राशि एकमुश्त ना दिया जाकर किश्तों में दी जाती है।

कलश में जल उड़ेलकर जल संवर्धन कार्यशाला का कमिश्नर ने किया शुभारंभ

बिलासपुर। संभागायुक्त सुनील कुमार जैन ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलश में जल उड़ेलकर 03 दिवसीय जल संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में संभागायुक्त ने सभी को जल संरक्षण के संबध में शपथ दिलाई गई तथा सभी शपथकर्ताओं को शपथ अनुसार आचरण करने कहा। कार्यशाला मंण कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में भू-जल संरक्षण के विषय में रिजनल डायरेक्टर सी जी. डब्ल्यू, वी एनसीसीआर रायपुर से आये डॉ. प्रवीर के. नायक के द्वारा भू-जल संरक्षण और पानी की एक बूंद बचाओ कल को सुरक्षित बनाओ के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जल दोहन एवं उसके बचाव कर भविष्य के लिए जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा की गई। कृषि कार्यों में जल की उपयोगिता एवं संरक्षण के बारे में, वर्षा जल के उपयोग एवं संरक्षण के विषय में विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा जिले में चल रहे मोर गाँव मोर पानी के अंतर्गत जल संरक्षण अंतर्गत निर्माण एवं नवाचार के तहत डिफक्ट बोरवेल, रिचार्ज पिट इंजेक्शन वेल, सेंट फिल्टर के कार्यों के विषय में अवगत कराया गया। उक्त कार्यशाला में जिले के एसडीओ फॉरेस्ट, एसईसीएल के अधिकारीगण, सभी जनपद सीईओ, कृषि विभाग से समस्त विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, आरईएस, जल संसाधन एवं पीएचई के सभी एसडीओ, नगर निगम, नगर पालिका, पंचायत और मनरेगा के समस्त तकनीकी सहायक उपस्थित थे।

चयन परीक्षा, 29 तक आवेदन

बिलासपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार में सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा में शामिल होने 29 जुलाई 2025 तक विभागीय वेबसाईट https://navodaya.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है। चयन परीक्षा 13 दिसंबर 2025 को होगी है। वे अभ्यर्थी जिन्होंने शासकीय स्कूल या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय से सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं की परीक्षा उत्तीर्ण हो और जिनकी आयु 01.05.2014 से पहले तथा 31.07.2016 के बाद का नहीं होने चाहिए।

नदी में डूबने से वायुसेना के जवान की मौत

दुर्ग। दुर्ग के एयर फोर्स जवान प्रिंसराज यादव की गुरुवार को नैनीताल में कलसा नदी में डूबने से मौत हो गई। दो साल पहले ही उसकी पठानकोट पंजाब में एयर-फोर्स में नौकरी लगी थी। जानकारी के अनुसार गुरुवार को नैनीताल के पास परिताल से लगभग 2 किमी पहले मुसाताल में नहाते वक्त एयरफोर्स के 2 जवान डूब गए। डूबने वाले दोनों युवक एयरफोर्स में कार्यरत थे। एयरफोर्स में तैनात 4 दोस्त नैनीताल घूमने आये थे। प्रिंस कुमार (22) निवासी बिहार, साहिल कुमार (23) अपने दो अन्य साथियों नयाल सौरभ सिंह (25) और बृजेन्द्र (25) गुरुवार सुबह लगभग 12 बजे मुसाताल पहुंचे। उनके साथ चार युवतियां भी मौजूद थीं। सभी युवक-युवतियां मुसाताल के पास नदी किनारे रुके और दो युवक नहाने के लिए नदी में उतर गए। भारी बरसात के चलते नदी का जल स्तर और बहाव बहुत अधिक था, जिसमे प्रिंस कुमार और साहिल कुमार दोनों जवान डूब गए। सूचना मिलते ही एसडीएम धारी केएन गोस्वामी, थाना अध्यक्ष मुक्तेश्वर जगदीप सिंह नेगी, भीमताल पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। मुक्तेश्वर व भीमताल पुलिस द्वारा संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके तहत दोनों शव बरामद किए गए।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षकविहीन खपराखोल स्कूल को मिले शिक्षक

पालकों में खुशी की लहर, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर जागी उम्मीद

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत एक छोटा सा गाँव खपराखोल, जो शिक्षकविहीन था, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण से यहां ज्ञान का उजियारा फिर से फैल रहा है। गाँव के सरकारी प्राथमिक स्कूल में लगभग विगत कुछ वर्षों से कोई शिक्षक नहीं था, बल्कि आस-पास के गांवों से उधार में लिए गए शिक्षकों से काम चलाया जा रहा था। लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लागू की गई युक्तियुक्तकरण से इस गाँव की किस्मत बदल गई। शिक्षकविहीन इस स्कूल में शिक्षकों अशोक क्षत्री और सुनील सिंह पैकरा को पदस्थ किया गया।

विद्यालय में जान फूंकी

पदस्थ होते ही दोनों शिक्षकों ने विद्यालय को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मीटिंग ली। बच्चों को स्कूल भेजने के लिए उन्हें प्रेरित किया। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। गाँव में घर-घर जाकर पालकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। अब स्कूल में 46 बच्चे नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे हैं। इस साल 07 नए बच्चों ने प्रवेश लिया है। बच्चों के चेहरों पर पढ़ाई की उत्सुकता साफ़ देखी जा सकती है।

युक्तियुक्तकरण से बदली तस्वीर : युक्तियुक्तकरण नीति से पूरे जिले में ऐसा ही सकारात्मक असर देखा गया है। युक्तियुक्तकरण के जरिए जिले में अब कोई भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं है।

पालकों में उत्साह, बच्चों के खिले चेहरे, मुख्यमंत्री का जताया आभार -

शिक्षकविहीन स्कूल खपराखोल में नियमित शिक्षकों की पदस्थापना से बच्चों के साथ-साथ पालकों और ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है। वे अब बच्चों की शिक्षा को लेकर आशान्वित नजर आए। मेलूराम जगत की बेटी इसी स्कूल में तीसरी में पढ़ती हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को अच्छे से पढ़ा रहे हैं। अब हम उनकी बेहतर शिक्षा को लेकर आश्वस्त हैं। सुखसागर मरावी की बेटी आरुही यहां कक्षा पहली में पढ़ती हैं। वे कहते हैं कि अभी शिक्षक नियमित रूप से आ रहे हैं। बच्चे भी खुशी-खुशी पढ़ाई कर रहे हैं। इसी प्रकार की प्रतिक्रिया मनहरण दास मानिकपुरी और मंगलिन नेताम ने भी दी। उनके घर के बच्चे भी यहां पढ़ते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि हमारे इतने दूरस्थ गांव की उन्होंने सुध ली। हमारे गांव में शिक्षक की तैनाती कर हमारे बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की व्यवस्था की है। बच्चे आंचल, कुमकुम भूमिका आदि भी बहुत खुश हैं कि उन्हें नियमित शिक्षक मिल गए हैं जो उन्हें **बहुत अच्छे से पढ़ा रहे हैं।**

खपराखोल की कहानी बनी प्रेरणा : खपराखोल की कहानी यह दर्शाती है कि एक शिक्षक और एक सशक्त नीति मिलकर किस तरह शिक्षा के अंधेरे कोनों को रोशन कर सकते हैं। अब ये स्कूल न केवल बच्चों को पढ़ा रहा है, बल्कि पूरे गाँव को यह संदेश दे रहा है कि जब शिक्षक आता है, तो सिर्फ ज्ञान नहीं उम्मीद भी लाता है।

पतरापारा महलोई प्राथमिक शाला में पढ़ाई को मिली रफ्तार

रायगढ़। राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई युक्तियुक्तकरण नीति का प्रभाव अब गांव-गांव में नजर आने लगा है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पतरापारा महलोई स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षकों की नई पदस्थापना से शैक्षणिक वातावरण में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। पहले यह स्कूल एकल शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा था, लेकिन अब दो शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति के बाद पढ़ाई में नई ऊर्जा और दिशा आई है। विद्यालय में वर्तमान में कक्षा 1 से 5 तक कुल 78 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पूर्व में एक ही शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था, जिससे न केवल शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी, बल्कि विद्यार्थियों को विषय आधारित शिक्षा भी सीमित रूप से मिल पा रही थी। अब दो शिक्षकों की उपस्थिति से समयबद्ध, व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हुआ है। विद्यालय के परिवेश में आए इस सकारात्मक बदलाव से पालकों में भी उत्साह का माहौल है। अपने बच्चे को स्कूल छोडने आई श्रीमती प्रमिला परजा ने कहा कि अब उनके बच्चे घर लौटकर स्कूल की पढ़ाई और गतिविधियों के बारे में खुशी से बताते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में उन्हें इस बात की चिंता रहती थी कि एक शिक्षक इतने सारे बच्चों को कैसे सम्हालेंगे, लेकिन अब दो शिक्षकों की नियुक्ति से बच्चों को ध्यानपूर्वक पढ़ाया जा रहा है और वे पढ़ाई में भी अधिक रुचि लेने लगे हैं। राज्य शासन की इस पहल से न केवल बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिला है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने ब्लूम गुणवत्ता में ऐतिहासिक सुधार किया

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने गुणवत्ता संवर्द्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में ब्लूम कास्टिंग की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। यह सुधार विशेष रूप से मशीन-5 से उत्पादित ब्लूम्स की गुणवत्ता में देखने को मिला है, जो रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) तथा यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) के लिए प्रमुख आपूर्ति स्रोत है। मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एस.के. घोषाल के नेतृत्व में, महाप्रबंधक प्रभारी (यांत्रिकी, सीसीएस) टी. गोविंद, महाप्रबंधक (यांत्रिकी, सीसीएस) एन.के. देथे तथा महाप्रबंधक प्रभारी (सीसीएस प्रचालन) एस. देबसीकदर की टीम ने इस सुधार यात्रा की शुरुआत की। टीम एसएमएस-2 द्वारा की गई गहन 'रूट कॉज एनालिसिस' में पाया गया कि सेकेंडरी कूलिंग ज़ोन के 'एयर मिस्ट सिस्टम' में व्याप्त तकनीकी कमियाँ ब्लूम की सर्फेस गुणवत्ता और आंतरिक साउंडनेस को प्रभावित कर रही थीं। इस निष्कर्ष के आधार पर 18 मार्च 2024 को एक आईपीयू प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके अंतर्गत वैश्विक स्प्रे कूलिंग टेक्नोलॉजी में अग्रणी कंपनी मेसर्स लेच्लर को कार्यादेश सौंपा गया। अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह में ब्लूम कास्टर की सभी चार स्ट्रैंड्स पर अपग्रेडेड एयर मिस्ट कूलिंग सिस्टम की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गयी।

रायगढ़ जिले के किसानों को 14 हजार 419 मैट्रिक टन खाद का किया गया वितरण

रायगढ़। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप राज्य के किसानों के हितलाभ के लए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ किसानों को निर्धारित समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है। रायगढ़ जिला अंतर्गत सहकारिता क्षेत्र में कृषकों को अधिक से अधिक खाद एवं बीज प्रदाय करने के संबंध में लगातार शासन तथा प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है। जिले के कुल 69 सहकारी समितियों के माध्यम से खरीफ वर्ष 2025 में खाद का अग्रिम भण्डारण करते हुए खाद वितरण का कार्य किया जा रहा है। रायगढ़ जिले में प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 18945 टन खाद का भण्डारण समितियों द्वारा किया जा चुका है तथा 14419 मैट्रिक टन खाद का वितरण लगभग 20 हजार किसानों को किया जा चुका है। वर्तमान में 5000 मैट्रिक टन खाद समितियों में शेष है, साथ ही बीज निगम के माध्यम से प्रमाणित बीज भी समितियों के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। कुल लक्ष्य 29417 क्विंटल के विरूद्ध 25000 क्विंटल बीज का भण्डारण कराया जा चुका है तथा 16500 क्विंटल बीज का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। कृषकों के मांग के अनुरूप खाद का भण्डारण कर कृषकों को वितरण किया जा रहा है।

मंदिर की कृषि भूमि पर कब्जा करने की कोशिश: गुर्जर समाज ने शिकायत, जांच कर कार्रवाई की मांग

रतलाम । रतलाम जिले के गांव पलसोड़ी में गुर्जर समाज के देवनारायण मंदिर की कृषि भूमि पर जबरन कब्जे की कोशिश और पुजारी को धमकाने का मामला सामने आया है। समाजजनों ने डीडीनगर थाने में ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुराने जर्जर दुकानों को तोड़कर उन्हें व्यवस्थित रूप से बनाया जा रहा है। बरसते पानी में भी काम निरंतर जारी है। पलकमती नदी की दुर्दशा विकास पर दाग पलकमती नदी की गंदगी और उपेक्षा नगर के लिए 'वदनुमा दाग' बन गई है। जैसे ही लोग शहर में प्रवेश करते है, सबसे पहले गंदगी से पटी नदी नजर आती है। नगर परिषद ने बाकी जगहों पर सफाई अभियान चलाया, लेकिन पलकमती नदी अब भी अछूती है। नगर के बस स्टैंड स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिद्धिविनायक मार्केट और वन विभाग के सामने नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बन रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के अनिल कौशल, लोकेश कौशल और उनके परिवार के लोग मंदिर की कृषि भूमि पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और पुजारी को धमका रहे हैं।नगर परिषद द्वारा बनाए गए जी टू कॉम्प्लेक्स के सामने एक दर्जन से अधिक दुकानों में सब्जी विक्रेता कारोबार कर रहे हैं। परिषद इन दुकानों को हटाकर विक्रेताओं को दूसरी जगह दुकानें दे रही है। इसके बावजूद सब्जी विक्रेता मुख्य बस स्टैंड से अतिक्रमण हटाने को तैयार नहीं हैं। नगर परिषद इन दुकानों को हटाने के लिए लंबे समय से नोटिस दे रही है। अब तक लगभग 7 नोटिस दिए जा चुके हैं। नगर परिषद अधिकारी सीएल कैथल ने बताया कि परिषद ने विक्रेताओं को दूसरी जगह दुकानें देने की व्यवस्था की है। फिर भी ये लोग अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

पूर्व सरपंच पर भी लगाया आरोप : ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर के पास सरकारी अनुदान से धर्मशाला भी बनी है, जो पूर्व सरपंच कैलाश कौशल के कार्यकाल में निर्मित हुई थी। अब वह भी धर्मशाला की जमीन को अपनी बता रहा है और समाज के लोगों के खिलाफ झूठी शिकायतें कर रहा है।

जांच और कार्रवाई की मांग : समाजजनों ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और जबरन कब्जा करने वालों पर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में गोपाल गुर्जर, भेरुलाल गुर्जर, शंकरलाल, राकेश, विनोद, ऊंकारलाल, अंकित और मानसिंह गुर्जर शामिल रहे।

थाना प्रभारी ने कहा- मामला राजस्व विभाग से जुड़ा: डीडीनगर थाना प्रभारी मनीष डाबर ने बताया कि यह मामला राजस्व से जुड़ा है, इसलिए संबंधित विभाग को भेजा जाएगा। पुलिस राजस्व जांच में सहयोग करेगी।

सागर में युवक ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर की खुदकुशी

छतरपुर । सागर जिले के सनोदा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में एक 20 वर्षीय युवक दीपक राज अहिरवार ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर फांसी लगाकर जान दे दी थी। घटना 22 जून की है, लेकिन शुक्रवार को उसका लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। वीडियो में युवक कहता है- कभी किसी से प्यार मत करना, जो समय न दे सके। इसके कुछ ही देर बाद उसने आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि दीपक छतरपुर की एक यूट्यूबर महिला से बातचीत बंद होने के कारण मानसिक रूप से परेशान था। इसी तनाव में उसने जान दे दी। मामले के सामने आते ही यूट्यूबर जानवी साहू ने बयान जारी कर सफाई दी है।

यूट्यूबर जानवी साहू बोलीं- मैं शादीशुदा हूं, बातचीत सामान्य थी : छतरपुर निवासी यूट्यूबर जानवी साहू ने मीडिया से कहा मेरे इंस्टाग्राम पर दो लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। मैं शादीशुदा हूं, दो बच्चों की मां हूं और यूट्यूब से ही परिवार चलाती हूं। राहुल अहिरवार से दो महीने पहले एक शादी समारोह में मुलाकात हुई थी, जहां मेरी सहेली संजना अहिरवार के माध्यम से परिचय हुआ। इसके बाद इंस्टाग्राम पर हंसी-मजाक और सामान्य बातचीत होती रही, लेकिन कभी शादी या प्रेम संबंध जैसी कोई बात नहीं हुई। घटना वाले दिन कॉल किया, नशे में था, इसलिए काट दिया जानवी साहू ने बताया कि घटना के दिन रात 8 बजे राहुल का कॉल आया था, लेकिन वह नशे की हालत में था, इसलिए उन्होंने बातचीत बंद कर दी। इसके बाद क्या हुआ, उन्हें जानकारी नहीं है। जानवी ने यह भी दावा किया।

साइंस कॉलेज की कुर्सी को लेकर मचा घमासान थमा: दो प्राचार्य, एक कुर्सी; डॉ. महोबिया का तबादला, डॉ. जाटव ने संभाला प्रभार

जबलपुर । जबलपुर के साइंस कॉलेज में प्राचार्य की कुर्सी को लेकर दो हफ्ते से विवाद चल रहा था। सरकार ने डॉ. संतोष जाटव को नया प्राचार्य नियुक्त किया था, लेकिन इससे पहले के प्राचार्य डॉ. ए.एल. महोबिया भी कॉलेज आ रहे थे और खुद को प्राचार्य बता रहे थे। ऐसे में एक ही कुर्सी के लिए दो लोगों का दावा बना रहा। डॉ. जाटव ने 20 जून को कॉलेज में कार्यभार संभाल लिया था, लेकिन डॉ. महोबिया के रिलीव न होने से भ्रम की स्थिति बनी रही। इस दौरान जनभागीदारी समिति के सदस्यों ने डॉ. महोबिया पर काम में रुकावट डालने के आरोप लगाए। अब उच्च शिक्षा विभाग ने डॉ. महोबिया का तबादला गंजबासौदा कॉलेज कर दिया है और विवाद खत्म हो गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त क्षेत्रीय संचालक डॉ. पंजाबराव चंदेलकर ने बताया कि डॉ. संतोष जाटव ने नियम के मुताबिक कार्यभार संभाल लिया है और डॉ. महोबिया को रिलीव कर दिया गया है।

खंडवा में कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार: सोशल मीडिया ग्रुप से निकाला फोन नंबर

खंडवा । खंडवा में एक कॉलेज छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर मोघट रोड थाना पुलिस ने शुक्रवार रात को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। शनिवार सुबह पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शाम को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पीड़िता बैतूल जिले की रहने वाली 19 वर्षीय युवती है और खंडवा के एक सरकारी कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा है। वह छात्रावास में रहकर पढ़ाई करती है। आरोपी राजेश पिता मनोहरी मस्कोले उसी के गांव और मोहल्ले का रहने वाला है। दोनों परिवारों के बीच पहले से परिचय था।

सोशल मीडिया ग्रुप से नंबर निकाला : पुलिस के अनुसार आरोपी राजेश किसी काम से खंडवा आया था। उसने पीड़िता का नंबर सोशल मीडिया ग्रुप से निकाला और संपर्क किया। मिलने की बात कहकर वह उसे नागचून पार्क की तरफ ले गया। पार्क के आगे एक सुनसान रास्ते पर ले जाकर उसने दुष्कर्म किया।

पीड़िता को दी धमकी, डर से नहीं कर सकी शिकायत : घटना 28 जून की शाम करीब 5:30 बजे की है। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह डर गई। घटना के बाद वह अपने गांव गई और वहां माता-पिता को पूरी बात बताई। इसके बाद पीड़िता खंडवा लौटी और थाने में शिकायत दर्ज करवाई। टीआई धीरेश धारवाल के किया गया है।

सीहोर में 16 कंपनी के फर्टिलाइजर की बिक्री पर रोक: अजमेर में जांच के दौरान मिली थी गड़बड़ी

सीहोर । राजस्थान के अजमेर जिले में उर्वरक निर्माण इकाइयों के निरीक्षण में बड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं। लैब जांच में पाया गया कि कई उर्वरक उत्पाद निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इन अनियमितताओं के चलते 16 विनिर्माण इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि, सीहोर जिले में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने इन कंपनियों के उर्वरकों की बिक्री पर रोक लगा दी है। उपसंचालक अशोक कुमार उपाध्याय ने प्रोम, पोटाश डिराविड फाम गोलासिस, बायोस्टीमूलेन्ट समेत कई उर्वरकों के बिक्री, भंडारण और वितरण पर प्रतिबंध लगाया है। अब जिले में बिना पूर्व स्वीकृति के इनका उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

16 कंपनियों के उर्वरकों पर रोक : कार्रवाई में श्री गोवर्धन एग्रो उदयपुर, भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज नसीराबाद, राघव एग्रो इंडस्ट्रीज किशनगढ़ समेत 16 कंपनियां शामिल हैं। विभाग ने व्यापारियों, वितरकों और किसानों को इन उत्पादों से दूर रहने की चेतावनी दी है। अमानक उर्वरकों के उपयोग से फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदापुरम में झगड़े के बाद पति ने किया सुसाइड: पत्नी नाराज होकर निकली, लौटकर आई तो फंदे पर मिला शख्स

नर्मदापुरम । नर्मदापुरम शहर के बसंत टॉकीज क्षेत्र में शुक्रवार को 32 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब शाम 4 बजे उसकी पत्नी घर लौटी और दरवाजा अंदर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोलने पर युवक अजय गुप्ता को फंदे पर लटका पाया गया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर मर्ग कायम किया। शनिवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार मृतक अजय पिता हरेराम गुप्ता, खप्पर वाली गली का निवासी था और शराब पीने का आदी था। शुक्रवार दोपहर उसका पत्नी से झगड़ा हुआ, जिसके बाद पत्नी बच्चों को लेकर कुछ समय के लिए घर से बाहर चली गई। जब वह शाम को लौटी तो घर का दरवाजा बंद मिला। संदेह होने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया गया और अंदर फांसी पर लटका शव मिला।

पुलिस कर रही जांच, मौत की वजह स्पष्ट नहीं : कोतवाली थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। दोपहर में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद की बात सामने आई है। परिजनों के बयान और जांच के आधार पर ही आत्महत्या की असल वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सागर में पट्टे की जमीनों पर कब्जा विवाद:लोगों ने कलेक्टर से की शिकायत

सागर । सागर जिले के मालथौन में पट्टे की जमीनों पर अवैध कब्जे का मामला गरमाता जा रहा है। शनिवार को अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और सिटी मजिस्ट्रेट जूही गर्ग को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि गोविंद सिंह मालथौन और रानू सिंघई ने वर्षों से समाज की जमीन पर कब्जा कर रखा था, जिसे हाल ही में मुक्त कराया गया है।

ज्ञापन में बताया गया कि गोविंद सिंह और उनके परिवार ने करीब 100 एकड़ जमीन अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोगों से या तो गलत तरीके से रजिस्ट्री करवाई या फिर सीधे कब्जा कर लिया। इनमें से करीब 25 एकड़ जमीन शासकीय है। शासन के निर्देश पर हाल ही में 10 करोड़ की कीमत वाली 5 एकड़ जमीन मुक्त कराई गई।

जमीन छुड़वाने पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप : समाज का आरोप है कि जब प्रशासन ने अवैध कब्जा हटाया, तब गोविंद सिंह और उनके साथियों ने अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को गालियां दीं और मारपीट की। इस मामले की रिपोर्ट मालथौन थाने में दर्ज कराई गई है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मांग है कि कब्जाई गई जमीनों की जांच कराकर वापस दिलाई जाएं। दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं। इस दौरान मुकेश, सुंदरलाल, रामसहाय, रुपसिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

क्षत्रिय समाज ने गोविंद सिंह के समर्थन में सौंपा ज्ञापन : वहीं शुक्रवार को क्षत्रिय समाज के लोग गोविंद सिंह राजपूत के समर्थन में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि गोविंद सिंह पर अनुसूचित जाति जनजाति एक्ट के तहत झूठा मामला दर्ज किया गया है, जो राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने मांग की कि संबंधित अधिकारी को निलंबित किया जाए और जब तक जांच पूरी न हो, गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाए।

स्पीड ब्रेकर पर ट्रॉले और डंपर के बीच फंसी कार: दोनों तरफ से दबी बाल-बाल बचे धार जा रहे तीन यात्री,

खरगोन । खरगोन के इंदौर रोड पर निमगुल के पास एक कार दो भारी वाहनों के बीच फंस गई। आगे चल रहे सीमेंट के ट्राले और पीछे से आ रहे रेत के डंपर के बीच दबने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार में सवार धार जिले के तीन लोग बाल-बाल बच गए।समाजजनों के मुताबिक, मंदिर की देखरेख के लिए समिति गठित की गई है, जिसने नागु गुर्जर को पुजारी नियुक्त किया है। नागु मंदिर, धर्मशाला और कृषि भूमि की देखरेख करता है। सुल्तानपुर नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों विकास कार्यों की रफ्तार तेज है। लगभग सभी वार्डों में सड़कों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। नगर परिषद ने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से लेकर नए निर्माण कार्यों तक, हर जगह बदलाव की बयार बहाई है।

शनिवार सुबह हल्की बारिश में सुबह 8 बजे हादसा हुआ। जब धार जिले के लोहारी (कुक्षी) के निवासी अमरसिंह वास्कले और अनिल रक्ष्या कार में सवार थे। कार को नारायण चला रहे थे। निमगुल के पास स्पीड ब्रेकर पर आगे चल रहे ट्रॉले की गति धीमी हुई। क्षेत्र से अनजान कार चालक ट्रॉले के बिल्कुल पीछे चल रहा था।

ट्रॉले से टकराई फिर डंपर ने भी मारी टक्कर : स्पीड ब्रेकर पर अचानक ब्रेक लगने से कार ट्रॉले से टकरा गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे रेत के डंपर ने भी कार को टक्कर मार दी। दोनों तरफ से हुई टक्कर में कार का अगला और पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, कार में सवार तीनों लोग बाल-बाल बच गए। मेनगांव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मानक के अनुरूप नहीं बनाए स्पीड ब्रेकर : स्थानीय ड्राइवर दीपक राठौड़ और पवन प्रजापति ने बताया कि दो महीने पहले बनाए गए ये स्पीड ब्रेकर मानक के अनुरूप नहीं हैं। इन पर न तो पेंट किया गया है और न ही कोई चेतावनी संकेत लगाए गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है।

छिंदवाड़ा जिले में अब तक औसतन 9.1 इंच बारिश: हर्रई में सबसे ज्यादा

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा जिले में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। शनिवार सुबह से तामिया, जुन्नारदेव, परासिया, बिछुआ, अमरवाड़ा सहित कई ग्रामीण अंचलों और शहर में तेज बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम अलर्ट मोड पर है। बारिश के चलते शहर और गांवों में बिजली की आंख-मिचौली बनी हुई है। कई इलाकों में पोल गिरने और लाइन ट्रिपिंग की घटनाएं हुईं। बिजली विभाग की टीमें फाल्ट सुधारने में जुटी हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ते बंद, पुल-पुलियों पर बह रहा पानी : तामिया, अमरवाड़ा और सिंगोड़ी जैसे इलाकों में बारिश से रास्तों पर जलभराव हो गया है। कई जगह छोटे पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवाजाही ठप है।

शहर में जलभराव, दुकानों-घरों में घुसा पानी : छिंदवाड़ा शहर के कई इलाकों में नालियों की सफाई न होने से बारिश का पानी सड़कों और दुकानों में भर गया। इससे यातायात भी प्रभावित हुआ है।

48 घंटे में और भारी बारिश की संभावना : मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। जिला प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

मधुमक्खी के डंक से 70 बीमारियों के इलाज का दावा

बैतूल । क्या आपने कभी सोचा है कि मधुमक्खी का डंक आपकी जान बचा सकता है? शायद नहीं, लेकिन महाराष्ट्र के प्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. श्रीराम दिगम्बर कुलकर्णी का दावा है कि एपिथैरेपी या मधुमक्खी चिकित्सा (हनी बी थैरेपी) से 70 से अधिक बीमारियों का इलाज संभव है। इसमें डायबिटीज, थायरॉइड, गठिया, अस्थमा जैसी जटिल बीमारियां शामिल हैं।

इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति में मधुमक्खी के डंक का उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। एक मधुमक्खी में 118 प्राकृतिक स्टेरॉयड्स पाए जाते हैं, जो इसे एक पूर्ण प्राकृतिक दवाखाना बनाते हैं। डॉक्टर कुलकर्णी के अनुसार, एक मधुमक्खी का डंक तीन सेकेंड में ही हाई बीपी को नियंत्रित कर सकता है और मधुमेह जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म कर सकता है। उनका कहना है कि पिछले 17 साल में उन्होंने 35 लाख से अधिक मरीजों का इलाज कि राहुल पहले समलैंगिक अपराध के मामले में छह महीने जेल में रह चुका है, जिसकी जानकारी उन्हें संजना ने दी थी।

मामले की निष्पक्ष जांच हो, दोषी पर कार्रवाई हो जानवी ने कहा कि इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ वीडियो किसने डाला और बाद में डिलीट किया गया- यह भी जांच का विषय है। उन्होंने खुद पर लगे आरोपों से इनकार करते हुए कहा, मैंने कभी किसी को झांसा नहीं दिया और न ही किसी प्रकार की भ्रामक बातें कीं। मैं चाहती हूं कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और जो दोषी हो, उस पर कार्रवाई हो।धूमिल हो रही नगर की छवि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब कोई बाहरी व्यक्ति नगर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसे नदी के गंदे दृश्य और दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। इससे नगर की छवि धूमिल होती है, और परिषद की बाकी उपलब्धियों पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और वायरल वीडियो की सच्चाई जानने की कोशिश में जुटी है। युवक की खुदकुशी और उसके पीछे की वजहों को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। किया है। इस पद्धति में कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। बता दें कि सोमवार को एक दिवसीय शिविर बैतूल में लगा था। संभागायुक्त द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में पुलिस के तर्कों से सहमत होकर आरोपी महिला को एक वर्ष के लिए उज्जैन संभाग के जिलों से बाहर केंद्रीय जेल इंदौर में निरुद्ध करने का आदेश दिया गया। नीलम के खिलाफ इसके पहले भी महाकाल, देवासगेट और माधवनगर थाने में चार प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। एक प्रकरण में उसे सजा भी हो चुकी थी। जेल से छूटने के बाद भी वह अवैध मादक पदार्थों के तस्करी में लिप्त रही।

200 का बीपी 100 पर ला सकता है: डॉ. श्रीराम दिगम्बर कुलकर्णी का दावा है कि यह पद्धति शुगर को जड़ से खत्म कर सकती है। 21 लाख लोगों की शुगर इस पद्धति से ठीक की है। उनके अनुसार एलोपैथी पद्धति अपूर्ण है। एक मधुमक्खी का डंक चुभाने से ही 200 का बीपी 100 पर आ जाता है। शुगर जड़ से निकल जाती है।

वह अब तक 21 लाख लोगों की शुगर इसी पद्धति से ठीक कर चुके हैं, इसलिए वे इस पुरातन पद्धति को बीमारियों के इलाज के लिए पूरे देश भर में फैला रहे हैं। इसके लिए उनके आठ असिस्टेंट डॉक्टर जगह-जगह कैंप लगा रहे हैं। उनका दावा है कि वे 17 साल में इस पद्धति से अब तक 35 लाख लोगों को ठीक कर चुके हैं।

पूरे देश में लगा रहे हैं कैंप : तीन राज्यों में वास्तु कंसल्टेंट जय श्री खंडागले मुंबई में रहती हैं। वे डॉक्टर कुलकर्णी के इस इलाज से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने अपने काम के साथ ही इस पद्धति को फैलाने के लिए पूरे देश में डॉक्टर कुलकर्णी के साथ कैंप करना शुरू कर दिया। वे कहती हैं कि डॉक्टर ने फिर से इस थैरेपी को जीवंत कर दिया है। इस चिकित्सा पद्धति को सीखने के लिए प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है जबकि नेचुरोपैथी में डिग्री और 6 माह की प्रैक्टिस के बाद कैंप टू कैंप प्रैक्टिस करना होती है।

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली महिला गिरफ्तार, इंदौर जेल भेजा

उज्जैन । उज्जैन 7 शहर में लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को महाकाल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पूर्व में भी तस्करी के प्रकरण दर्ज किए थे और एक मामले में उसे सजा भी हो गई थी लेकिन जेल से छूटने के बाद फिर से तस्करी करने लगी। आरोपी महिला तस्कर को शुक्रवार को इंदौर की जेल में निरुद्ध करने की कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खरीदी-बिक्री में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के लिए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी नीतेश भार्गव के मार्गदर्शन एवं कोतवाली सीएसपी आईपीएस राहुल देशमुख के निर्देशन में महाकाल थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त नीलम निवासी गणेश कॉलोनी जयसिंहपुरा को गिरफ्तार किया गया। नीलम तस्कर संजू चना की पूर्व पत्नी है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल के नेतृत्व में महाकाल थाना पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की। संभागायुक्त के समक्ष यह प्रकरण प्रस्तुत किया गया।

संपादकीय

दलाई लामा के साथ भारत

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन से टकराव~ 14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी तङ्कस्त्रद्गठ्ठ क्द्धश्वस्त्रह्लठ्ठद्द ञ्जह्म्ह्वह्यह्ल को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए।

दलाई लामा की ताकत~ तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है।

भू-राजनीतिक असर~ चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे।

दबाव डालने का मौका~ चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है - अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

चातुर्मास शुभारंभ–06 जुलाई 2025 पर विशेष

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

मंत्र महर्षि डॉ. योगभूषण महाराज

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को ÷चातुर्मास÷ या ÷वर्षायोग÷ कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है।

जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए हैं। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

(लेखक आध्यात्मिक गुरु, सोऽहम् योग प्रवर्तक एवं संस्थापक धर्मयोग फाउंडेशन है।)

आज का इतिहास

6 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1885- लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

1944- महात्मा गांधी को पहली बार नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रपिता कहा।

2002 - अफ़ग़ानिस्तान के उपराष्ट्रपति अब्दुल कादिर की हत्या।

2005 - मैक्सिको में मानव का चालीस हज़ार वर्ष पुराना पदचिह्न मिला।

2006 - विश्व कप फुटबाल में फ़्रांस ने पुर्तग़ाल को हराया।

2008 - दक्षिणी मिस्र में 5000 साल पुराने शाही क़ब्रिस्तान की खोज की गई।

2012- संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की जारी विश्व निवेश रिपोर्ट-2012 के अनुसार बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए 2012 से 2014 की अवधि में चीन सबसे आकर्षक निवेश स्थल रहा। उसके बाद अमेरिका, भारत का स्थान रहा।

6 जुलाई को जन्मे व्यक्ति

1963 - सुखबीर सिंह संधू - भारत के नवनियुक्त चुनाव आयुक्त हैं।

1958 - रामचंद्र प्रसाद सिंह - यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी जो मोदी मंत्रिमंडल में इस्पात मंत्री हैं।

1958 - मलाथी कृष्णामूर्ति हॉला - भारत की पैरा एथलीट हैं।

1947 - अनवर जलालपुरी - यश भारती से सम्मानित उर्दू के मशहूर शायर थे।

1935 - दलाई लामा - बौद्ध धर्म के धर्मगुरु।

1915 - देवेगोड़ा जवरेगोड़ा - कन्नड़ लेखक, लोक गीतकार, शोधकर्ता और विद्वान थे।

1906 - दौलत सिंह कोठारी - भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।

1905 - लक्ष्मीबाई केलकर - भारत की प्रख्यात समाज सुधारक थीं।

1901- श्यामाप्रसाद मुखर्जी, भारतीय राजनीतिज्ञ

1837 - रामकृष्ण गोपाल भंडारकर, समाजसुधारक

1940 - नूर्सुल्तान नाज़र्बायव - कज़ाख़स्तान के राष्ट्रपति थे।

1956 - अनिल माधव दवे - भारत सरकार में पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री थे।

6 जुलाई को हुए निधन

2018 - अमृतलाल बेगड़ - प्रसिद्ध साहित्यकार, चित्रकार और नर्मदा प्रेमी थे।

2002 - ठाकुर राम लाल - हिमाचल प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेताओं में से एक थे।

1894 - प्रताप नारायण मिश्र - हिन्दी खड़ी बोली और भारतेन्दु युग के उन्नायक।

1986 - जगजीवन राम - आधुनिक भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, जिन्हें आदर से बाबूजी कहा जाता था।

रील की दुनिया में रियल ज़िंदगी का विघटन, दिखावे की दौड़ में थकती ज़िंदगी

सोशल मीडियाः नया नशा, टूटते रिश्ते और बढ़ता मानसिक तनाव

प्रियंका सौरभ

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ़ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज़ बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था ङ्क बैठ कर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ ÷टाइप÷ और ÷स्क्रॉल÷ में बदल गया है। बच्चे हों या बुज़ुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष ङ्क सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो स्टेटस अपडेट, रील या ट्वीट में समा गई हैं।

जिस रफ़्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ़्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है ङ्क अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने ÷सीन÷ किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने ÷स्टोरी÷ पर साझा किया हो।

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर गेमिंग कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब टैग और मेंशन में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं।

यह आदत अब लत बन चुकी है ङ्क सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फ़ोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली परफेक्ट ज़िंदगी का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं।

खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

दूसरी ओर, इस प्लेटफ़ॉर्म पर फेक आईडेंटिटी और वर्चुअल ग्लैमर का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल ज़िंदगी में वह कर्ज़ और तनाव से घिरा होता है।

परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा ज़िंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरज़रूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुज़ुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं।

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक

कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं।

आज जब हम फैक्ट चेकिंग और डिजिटल लिटरेसी की बात करते हैं, तब यह समझना ज़रूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है ङ्क यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है।

भारत जैसे देश में, जहाँ संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहाँ सोशल मीडिया ने ÷संयुक्तता÷ की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्यौहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है।

यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैं ङ्क आवाज़ उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन, और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम। लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है।

अब यह समय है जब हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर आत्मचिंतन करने की ज़रूरत है। हमें यह समझना होगा कि हम सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता हैं, उसके दास नहीं। तकनीक का उपयोग जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे निगल जाने के लिए।

हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि लाइफ का मतलब लाइक्स नहीं होता। हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि रील लाइफ से ज़्यादा कीमती रियल लाइफ होती है। हमें खुद से पूछना होगा कि आखिरी बार जब हम अपने माता-पिता के पास बैठकर बिना मोबाइल के बात किए, वह कब था।

संघर्ष यह नहीं है कि सोशल मीडिया को छोड़ देना चाहिए, संघर्ष यह है कि इसे कैसे संतुलित किया जाए। हमें ÷डिजिटल डिटॉक्स÷ की आदत डालनी होगी ङ्क एक दिन बिना सोशल मीडिया के बिताना, भोजन करते समय मोबाइल को दूर रखना, रात को सोने से पहले स्क्रीन नहीं देखना, सुबह उठते ही ईश्वर या परिवार को याद करना, न कि इंस्टाग्राम को।

सरकारों और संस्थानों को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। स्कूलों में डिजिटल संतुलन की शिक्षा, माता-पिता के लिए कार्यशालाएँ, और सोशल मीडिया कंपनियों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

मनुष्य का मस्तिष्क तकनीक से तेज़ है, लेकिन अगर वह तकनीक का गुलाम बन जाए, तो मानवता खो बैठता है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली औजार है, बशर्ते हम उसे नियंत्रित करें, न कि वह हमें।

अब समय है कि हम डिजिटल दुनिया में खुद को फिर से खोजें ङ्क सच्चे रिश्तों के लिए, मानसिक शांति के लिए और एक ऐसे समाज के लिए जो तकनीक से सशक्त हो लेकिन संवेदनाओं से जुड़ा भी हो। सोशल मीडिया का यह नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएँगे। वरना यह नशा हमारे बच्चों से उनकी मासूमियत, हमारे परिवार से उसकी गर्माहट और हमारे समाज से उसकी आत्मा छीन लेगा।

आज का राशिफल

मेष ~खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष ~प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन ~कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क ~आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह ~शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या ~सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला ~शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक ~समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु ~नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनै~शनै~ बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर ~सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ ~समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन ~यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

कावेरी कपूर ने मजाकिया अंदाज में नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा की

गायिका-गीतकार और जेनरेशन जेड की उभरती हुई स्टार, बहुमुखी प्रतिभाशाली कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से काफी चर्चित शुरुआत की। उसके बाद, कावेरी ने खुद के लिखे दो गाने रिलीज़ किए, और उनकी प्रतिभा को अनदेखा नहीं किया जा सका, उनके प्रशंसक उनके आगामी प्रोजेक्ट के घोषणा का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने पहले ही इंडिपेंडेंट म्यूजिक जगत में अपने लिए एक अनूठी जगह बना ली है। अपने आत्मनिरीक्षण गीतों और भावपूर्ण गायन के लिए जानी जाने वाली कावेरी ने पहले भी डिड यू नो, हाफ ए हार्ट और स्मेल ऑफ द रेन जैसे ओरिजिनल ट्रैक जारी किए हैं, जो उनके भावनात्मक लेखन और विकसित होते संगीत को दर्शाते हैं। और अब अपने फैन्स को ज़्यादा इंतज़ार न कराते हुए, कावेरी ने हाल ही में कुछ बहुत ही रोमांचक आने का संकेत दिया है। जब एक प्रशंसक ने उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछा, तो कावेरी ने एक फोटो पोस्ट की जिसमें वह थम्स-अप देते हुए नज़र आ रही हैं, और उन्होंने लिखा÷येस्स, जुड़े रहिए द्धद्धद्ध... कुछ बहुत एक्साइटिंग आने वाला है। हालांकि उन्होंने ज़्यादा जानकारी साझा नहीं की, लेकिन यह अपडेट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। चाहे वह नया म्यूज़िक हो, कोई कोलैबोरेशन, या फिर किसी नई क्रिएटिव दिशा की शुरुआत – फैन्स को अभी इंतज़ार करना होगा। लेकिन एक बात तय है÷कावेरी कपूर अपने अगले बड़े क्रिएटिव अध्याय की तैयारी में हैं – और यह ज़रूर कुछ खास होगा। वर्क फ्रंट पर बात करें तो, कावेरी मासूम 2 का हिस्सा होंगी, जिसमें निर्देशक के रूप में शेखर कपूर की वापसी होगी, और साथ ही मासूम के पहले भाग के मुख्य कलाकार – नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी भी नज़र आएंगे।

शाल्मली खोलगडे का नया म्यूजिक वीडियो वे यू मूव रिलीज, अनकहे जज्बातों को बयान करता है गाना

प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगडे ने शुक्रवार को अपना नया हिंदी गाना वे यू मूव रिलीज किया है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह गाना प्यार को समर्पित है। गाने में प्यार, पुरानी यादें और आज के दौर के रोमांस को मिलाकर पेश किया गया है। शाल्मली खोलगडे को परेशान, बलम पिचकारी, और लत लग गई जैसे गानों के लिए जाना जाता है। गाने के बारे में बात करते हुए शाल्मली ने आईएएनएस से कहा, गाना वे यू मूव उस सादे, सच्चे और चुपचाप वाले प्यार के बारे में है जो बिना बोले भी महसूस होता है। यह भावुक कर देने वाला गाना है। इसमें प्यार को बड़े-बड़े शब्दों या दिखावे से नहीं, बल्कि नजरों, इशारों और साथ रहने की एक खास लय से दिखाया गया है।

इस गाने के म्यूजिक वीडियो में सेक्रेड गेम्स फेम एक्ट्रेस कुब्रा सैत और एक्टर कुणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आ रही है। वीडियो में भारतीय शादियों के खास पहलुओं को दिखाया गया है। इसे एक घर में शूट किया गया है। वीडियो में शादी की रस्में दिखाई गई हैं, जैसे हल्दी, मेहंदी की रस्मों में डांस, और दोस्तों के बीच खुशियों का माहौल आदि। इस म्यूजिक वीडियो की कहानी शाल्मली की खुद की लॉकडाउन में हुई छोटी और निजी शादी से थोड़ी प्रेरित है, लेकिन इसकी कहानी हर उस इंसान के लिए है जो सच्चे, जमीन से जुड़े प्यार को समझते हैं। यह वीडियो दिखाता है कि प्यार दिखावे में नहीं, बल्कि सादगी और दिल से जुड़े पलों में होता है। शाल्मली ने कहा, वे यू आर भारतीय शादियों के प्यार भरे माहौल को सेलिब्रेट करता है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। यह गाना असली जज्बातों के बारे में है, ऐसी नजरें जो बिना कुछ कहे सब कह जाती हैं, आराम जो अपनेपन में महसूस होता है, और रोमांटिक डांस, आदि सभी निजी पलों की याद दिलाएगा। यह गाना दिलों को और भी करीब ला देगा। वे यू मूव का हिंदी वर्जन अब सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर सुनने के लिए उपलब्ध है।

मराठी नहीं बोलने पर गुजराती दुकानदार की पिटाई, रणवीर शौरी ने कानून-व्यवस्था पर जताई चिंता

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर शौरी ने मराठी न बोलने पर गुजराती दुकानदार पर हमला करने वाले कथित महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) कार्यकर्ताओं की सोशल मीडिया पर कड़ी निंदा की।

रणवीर शौरी ने इस घटना पर अपना गुस्सा जाहिर किया और इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी अपने पोस्ट में टैग किया।

अभिनेता ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कुछ लोग मुंबई के मीरा रोड इलाके में एक रेस्टोरेंट के मालिक पर मराठी नहीं बोल पाने की वजह से हमला करते दिख रहे हैं। रणवीर ने इस घटना को परेशान करने वाला बताया और महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर अपनी चिंता जताई।

अभिनेता ने ट्वीट किया, ÷यह घिनौना है। कुछ राक्षस आजाद घूम रहे हैं, सिर्फ राजनीति में बढ़त और लोगों का ध्यान पाने के लिए। कानून-व्यवस्था कहां है? रणवीर ने अपने पोस्ट के कमेंट्स में उन लोगों को भी जवाब दिया, जिन्होंने उनकी आलोचना की। एक यूजर ने उनसे पूछा, ÷आप कितने साल से महाराष्ट्र में रह रहे हैं? मराठी सीखने के लिए आपने कितनी कोशिश की है?÷

रणवीर शौरी ने जवाब में कहा, ÷पहले तो, मैं आपके जैसे नफरत फैलाने वाले अनजान लोगों को कोई जवाब देने वाला नहीं हूं। दूसरा, अगर आपको लगता है कि लोगों को मार-पीटकर भाषा सिखाई जा सकती है, तो आप बहुत ही गलत सोचते हो, और आखिरी बात... अगर आप इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, तो बदलाव लाने या राजनीतिक लाभ के लिए विरोध करने के और भी सकारात्मक और रचनात्मक तरीके हैं, बजाय उन बेबस लोगों को मारने के, जो बस अपनी रोजी-रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग खाने के लिए एक दुकान पर गए थे। लेकिन मामला उस वक्त बिगड़ गया जब उन्होंने दुकान वाले पर मराठी भाषा में बात न करने के कारण हमला कर दिया। उन लोगों ने अपने गले में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) से जुड़े स्कार्फ पहने हुए थे।

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है : सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है।

एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ÷मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की रामायण की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला।÷

उन्होंने लिखा, ÷आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में वर्ल्ड ऑफ रामायणा की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है।÷

बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने रामायण का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में केजीएफ फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली।

वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है÷भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ÷दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य रामायण को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत हैज्आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं।÷

फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के रोल में हैं। काजल अग्रवाल मंदोदरी और लारा दत्ता कैकई की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं।

फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

रामायण को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

बेपनाह सॉन्ग पर अक्षय कुमार का आया दिल

टाइगर श्रॉफ को दी बधाई!

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर टाइगर श्रॉफ की जी खोलकर तारीफ की है। बेपनाह पोस्ट करते हुए टाइगर को बधाई दी। उन्होंने एक्टर के डांस मूव्स की सराहना की। अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर टाइगर श्रॉफ के लेटेस्ट सॉन्ग बेपनाह का वीडियो शेयर किया।

क्लिप के साथ केसरी चैप्टर 2 एक्टर ने लिखा, ÷जब वह एक्शन से धमाल नहीं मचा रहे होते हैं, तो वह अपने डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा रहे होते हैं।

टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार ने निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में साथ काम किया था। बता दें कि इसी नाम से एक एक्शन कॉमेडी फिल्म 1998 में रिलीज हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और गोविंदा लीड रोल में थे और दोनों के डबल रोल थे। फिल्म डेविड धवन ने डायरेक्ट की थी।

दोनों अभिनेता रोहित शेट्टी की पुलिस ड्रामा ÷सिंघम अगेन÷ में भी साथ दिखाई दिए थे। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के लिए नोट और वीडियो शेयर करते रहते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कन्नप्पा में भगवान शिव के किरदार में नजर आए। इससे पहले भी वह ओ माई गॉड 2 में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं। कन्नप्पा में विष्णु मांचू, प्रभास, अक्षय कुमार, सरथकुमार, मोहनलाल, काजल अग्रवाल, प्रीति मुकुंदन, मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, ब्रह्मानंदम, ब्रह्माजी, शिव बालाजी, कौशल मंदा, राहुल माधव, देवराज, मुकेश ऋषि, रघु बाबू और मधु जैसे कलाकारों की टोली है। फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसे तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में रिलीज किया गया है। वहीं, टाइगर की बात करें तो अभी उनका सॉन्ग बेपनाह रिलीज हुआ है। फिलहाल, वह अपनी आने वाली फिल्म बागी 4 की तैयारी में जुटे हैं, जिसे डायरेक्टर ए. हर्षा बना रहे हैं। इस फिल्म में उनके अलावा, संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू अहम किरदार में नजर आएंगी।

पूजा भट्ट नए पॉडकास्ट के जरिए बताएंगी इंडस्ट्री के सुने-अनसुने किस्से

पूजा भट्ट आईहार्टपॉडकास्ट पर एक नए शो में अपने जीवन के उतार-चढ़ाव को शेयर करेंगी। अभिनेत्री और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने कहा कि वह इस पॉडकास्ट के जरिए अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल यात्रा के बारे में खुलकर बात करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जुड़ेंगे और प्रेरित भी होंगे।

भट्ट ने कहा, ÷मैं आईहार्टमीडिया के साथ साझेदारी कर %द पूजा भट्ट शो% लॉन्च करने को लेकर बहुत खुश हूं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई प्रेरणादायक कहानियां हैं। मैं इस शो के जरिए उन लोगों पर प्रकाश डालना चाहती हूं जो हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। अभिनेताओं से लेकर निर्देशकों तक, संगीतकारों से लेकर निर्माताओं और स्टाइलिस्टों तक...मैं अपनी जर्नी के उतार-चढ़ाव और लोगों की कहानियों को साझा करने को इच्छुक हूं, ये वो लोग हैं जिन्होंने मुझे प्रेरित किया।

आईहार्टपॉडकास्ट के अध्यक्ष विल पियर्सन ने कहा, ÷पूजा भारतीय क्रिएटिव दुनिया की एक सच्ची हस्ती हैं, और हमें उम्मीद है कि वह इस लाइनअप में रोमांचक और मजेदार नजरिया पेश करेंगी।

÷भारतीय फिल्म, संगीत और संस्कृति का असर पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा है। पूजा जी का कई सालों का अनुभव बॉलीवुड के फैंस और उन लोगों के लिए उपहार है जो भारतीय सिनेमा और रचनात्मक संस्कृति के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। हम इस रोमांचक कार्यक्रम के लिए पूजा के साथ पार्टनरशिप करके बहुत खुश हैं।÷

आईहार्टमीडिया और मैमथ मीडिया एशिया ने मिलकर ÷द पूजा भट्ट शो÷ लॉन्च किया है, जो कि दोनों का पहला पॉडकास्ट होगा।

पूजा भट्ट द्वारा होस्ट किया जाने वाला शो सितंबर के आखिरी हफ्ते से प्रसारित किया जाएगा।

गाजा में इस्राइल के साथ सीजफायर पर बोला हमास, नवीनतम प्रस्ताव पर सकारात्मक जवाब दिया

देइर अल-बलाह एजेंसी। हमास ने शुक्रवार को कहा कि उसने गाजा में संघर्ष विराम के नए प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। साथ ही यह भी कहा कि इस पर आगे बातचीत की जरूरत है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हमास ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सुझाए गए 60 दिनों के युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है या नहीं।हमास इस बात की गारंटी मांग रहा है कि शुरुआती संघर्ष विराम के बाद युद्ध पूरी तरह समाप्त हो जाए, जो लगभग 21 महीने से जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप इस पर समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं, और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सप्ताह एक समझौते पर चर्चा करने के लिए व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले हैं।

इस्राइली हवाई हमले में 15 फलस्तीनियों की मौत : हमास के बयान से कुछ ही समय पहले शुक्रवार सुबह इस्राइल ने गाजा में हवाई हमला किया, जिसमें 15 फलस्तीनी मारे गए। इसके अलावा, एक अस्पताल ने कहा कि सहायता मांगने के दौरान गोलीबारी में 20 अन्य लोग मारे गए।

गाजा में एक महीने के अंदर 613 फलस्तीनियों की मौत : इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि उसने गाजा में एक महीने के अंदर 613 फलस्तीनियों की हत्या दर्ज की है, जब वे सहायता पाने की कोशिश कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि ज्यादातर लोग इस्राइल समर्थित अमेरिकी संगठन द्वारा संचालित खाद्य वितरण केंद्रों तक पहुंचने की कोशिश करने के दौरान मारे गए, जबकि अन्य संयुक्त राष्ट्र या अन्य मानवीय संगठनों से जुड़े सहायता ट्रकों की प्रतीक्षा में एकत्र हुए थे।

युद्ध रोकने के प्रयास जारी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इस्राइल 60 दिन के संघर्ष विराम के लिए तैयार है, और अमेरिका इस दौरान सभी पक्षों से बातचीत कर युद्ध को खत्म करने की कोशिश करेगा। उन्होंने हमास से कहा कि वह इस प्रस्ताव को स्वीकार कर ले, इससे पहले कि हालात और बिगड़ें। वहीं, शुक्रवार देर रात हमास ने कहा कि उसने मिस्र और कतर के जरिये मध्यस्थों को अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दे दी है और वह इस प्रस्ताव को लागू करने पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि किस बात पर और बातचीत करनी है।

हमास ने वार्ता के लिए रखीं हैं कुछ शर्तें : वार्ता से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हमास की कुछ शर्तें हैं, जिनके लिए वह अनुरोध कर रहा है। हमास ने शर्तें रखी हैं कि इस्राइली सेना को 2 मार्च से पहले की स्थिति में लौटना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिये गाजा में पर्याप्त मदद पहुंचनी चाहिए। अगर जरूरत पड़े तो 60 दिनों के बाद भी बातचीत जारी रह सके, ताकि युद्ध पूरी तरह खत्म हो और सभी बंधक छोड़े जाएं। हालांकि, पहले भी हमास की ऐसी मांगों पर बातचीत टूट चुकी है, क्योंकि इस्राइली पीएम नेतन्याहू का कहना है ।

यूक्रेन का रूस के एयरबेस पर हमले का दावा, रूस ने दागे तीन सौ से ज्यादा ड्रोन्स

कीव ,एजेंसी। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने शनिवार को रूसी एयरबेस पर हमला किया। वहीं रूस ने भी रात भर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन से बमबारी जारी रखी। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशें अब कमजोर होती जा रही हैं और दोनों तरफ से हमले भी तेज हो गए हैं। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी बलों ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में बोरिसोग्लब्स्क एयरबेस पर हमला किया। इस एयरबेस पर रूस के स्ह्व-34, स्ह्व-35स और स्ह्व-30स्रूजैसे लड़ाकू विमान तैनात बताए जाते हैं।

रूस के एयरबेस को निशाना बनाने का दावा : फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में जनरल स्टाफ ने लिखा कि उनके हमले में ग्लाइड बम डिपो, एक प्रशिक्षण विमान और संभवतः अन्य विमानों को निशाना बनाया गया है। रूस की तरफ से अभी तक इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है। रूसी एयरबेस पर हमलों का रूस की सैन्य क्षमता को कम करने और रूस में घुसकर हमला करने की यूक्रेन की क्षमता को प्रदर्शित करना है। पिछले महीने भी यूक्रेन ने रूस के भीतर कई हजार किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस को निशाना बनाने का दावा किया था, जिसमें रूस के 40 से अधिक लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया गया।

अर्जेंटीना में पीएम मोदी के दौरे से लोग उत्साहित, भारतीय बोले- हमारा हौसला बढ़ाया

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में इन दिनों खास माहौल देखने को मिल रहा है। यहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर जबरदस्त उत्साह है। दक्षिण अमेरिका के इस बड़े देश में पीएम मोदी की यात्रा का लोगों को बेसब्री से इंतजार था। भारतीय समुदाय के लोग मानते हैं कि यह दौरा भारत-अर्जेंटीना रिश्तों में नई ऊर्जा भरने का काम करेगा। अर्जेंटीना में रह रहे भारतीय मूल के लोग इस बात से काफी खुश हैं कि उनके देश के प्रधानमंत्री उनसे मिलने आ रहे हैं। भारतीय समुदाय के सदस्य सौरभ लूथरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस समय जोश बहुत हाई है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें प्रधानमंत्री से मिलने का मौका मिलेगा। हमें उम्मीद है कि भारत और अर्जेंटीना के रिश्ते और भी मजबूत होंगे। वहीं भारतीय मूल की सुरूचि छाबड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी दुनिया में भारतीयों को गर्व महसूस कराया है।

पीएम मोदी ने भारतीयों का हौसला बढ़ाया : सुरूचि छाबड़ा ने कहा कि मैं अर्जेंटीना में रहती हूं। मैं भारतीय-अमेरिकी हूं। हमें बहुत गर्व है कि पीएम मोदी यहां आ रहे हैं। यह बहुत रोमांचक पल है। पूरी भारतीय समुदाय की तरफ से हम आभार व्यक्त करते हैं। पीएम मोदी एक ऐसे विश्व नेता हैं जिन्होंने भारतीयों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने हमेशा हमारे लिए खड़े होकर हमारा सम्मान बढ़ाया है। हम उनके अब तक के काम से खुश हैं और आगे भी उनसे बहुत उम्मीदें हैं।

तीसरी बार अर्जेंटीना पहुंचेंगे पीएम मोदी : भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने बताया कि वह झारखंड से हैं और पिछले 30 व र्श् से अर्जेंटीना में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बहुत खुश हैं कि हमारे देश का कोई नेता यहां आ रहा है। खास बात यह है कि पीएम मोदी दूसरी बार अर्जेंटीना आ रहे हैं। इससे यह साफ होता है कि दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के तीसरे चरण में अर्जेंटीना पहुंचेंगे। इससे पहले वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो का दौरा कर चुके हैं।

भारतीय नृत्य से होगा पीएम का स्वागत : पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। अर्जेंटीना में रहने वाले कलाकार भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इनमें से कई कलाकार भारतीय मूल के हैं। आनंदिनी दासी नाम की एक कलाकार ने कहा कि पीएम मोदी का स्वागत करना हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हम पूरी मेहनत से तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद आएगा। हम चाहते हैं कि वह बार-बार इस देश में आएं।

कथक और भरतनाट्यम से होगा स्वागत : कार्यक्रम में शामिल एक अन्य कलाकार ने बताया कि वे मल्हारी और पुष्पांजलि जैसे पारंपरिक भारतीय नृत्य पेश करेंगे। ये प्रस्तुति कथक और भरतनाट्यम की शैली में होगी। उन्होंने कहा कि हम भारतीय संस्कृति से बहुत प्यार करते हैं। इसी कारण हमने इस खास कार्यक्रम के लिए लंबे समय से मेहनत की है। अब वह दिन आ गया है जब हम भारतीय परंपरा और संस्कृति को पीएम मोदी के सामने पेश करेंगे।

दोनों देशों में बढ़ेंगे कारोबार और सहयोग : पीएम मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माईली के आधिकारिक निमंत्रण पर ब्यूनस आयर्स जा रहे हैं। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। बैठक में रक्षा, कृषि, खनन, तेल-गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार, निवेश और आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि इस दौरे से भारत-अर्जेंटीना के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी और दोनों देशों के बीच कारोबार व सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी तेजी आएगी।

तुर्किये में विपक्ष खत्म करने की कोशिश जारी, तीन विरोधी मेयर्स गिरफ्तार

अंकारा,एजेंसी। तुर्किये में विपक्ष का दमन जारी है। इसी के तहत शनिवार को तुर्किये के दक्षिणी शहरों के तीन मेयर्स को गिरफ्तार किया गया। सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए विपक्षी नेताओं की सूची में तीन और नए नाम जुड़ गए हैं। इससे पहले मार्च में तुर्किये के प्रमुख शहर इस्तांबुल के मेयर को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

रिश्वतखोरी के मामले में हुई कार्रवाई : शनिवार को गिरफ्तार नेताओं में अदियामान शहर के मेयर अब्दुल रहमान तुतडेरे, अदाना नगर पालिका के प्रमुख जेदान कारालार को शनिवार सुबह हिरासत में लिया गया। दोनों नेता तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पीपल्स पार्टी या सीएचपी के सदस्य हैं। सीएचपी से ही जुड़े और अनताल्या शहर के मेयर मुहीत्तिन बोकेक को भी रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कारालार को इस्तांबुल में पकड़ा गया, वहीं तुतडेरे को राजधानी अंकारा से गिरफ्तार किया गया। तुतडेरे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें इंस्तांबुल ले जाया जा रहा है।

मार्च में इस्तांबुल के मेयर को भी किया गया था गिरफ्तार: पुलिस ने बताया कि संगठित अपराध, रिश्वत जैसे मामलों में कारालार और तुतडेरे समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ क्या आरोप लगे हैं, उनकी जानकारी अभी सामने नहीं आई हैं, लेकिन विपक्षी पार्टियों से जुड़े नेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इस्तांबुल मेयर एकरेम इमामोग्लू, जिन्हें राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन का प्रमुख प्रतिद्वंदी माना जाता है, उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में चार महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह इजमिर शहर के मेयर और 137 नगर पालिकाओं के प्रमुखों को भी हिरासत में रखा गया है। इन सभी को धोखाधड़ी के कथित मामले में गिरफ्तार किया गया है।

इस्तांबुल मेयर ही दे सकते हैं एर्दोआन को चुनौती : इससे पहले भी कई विपक्षी नेता जेल में हैं और कई महीने बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू नहीं हो सकी है। तुर्किये के मानवगात शहर के मेयर को भी शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इमामोग्लू की गिरफ्तारी के बाद तुर्किये में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी हुए थे।

नाटो की अस्पष्टता व मदद में देरी से खिसक रही यूक्रेन की जमीन, युद्ध रोकने के पक्ष में नहीं पुतिन

मास्को/वाशिंगटन ,एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तौर पर देखी जा रही व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच की ताजा बातचीत भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अमेरिकी मदद के बावजूद पश्चिम की रणनीतिक अस्पष्टता व नाटो से मदद मिलने में देरी के चलते आक्रामक रूसी अभियान के सामने यूक्रेन की जमीन धीरे-धीरे खिसक रही है। विश्लेषकों का मानना है कि जमीन पर मिल रही रूसी बढ़त को देखते हुए पुतिन अब किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। सामरिक मामलों के विश्लेषक लुका डेविस के अनुसार नाटो द्वारा भेजे गए हथियार अक्सर देरी से पहुंचते हैं और कई बार वे जमीनी जरूरतों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर रूस के पास लंबी दूरी की मिसाइलें, घातक ड्रोन और पर्याप्त मानव संसाधन की निरंतर आपूर्ति है। नाटो की रणनीति अभी भी प्रतिक्रियात्मक है, जबकि रूस पूर्व योजना और गहराई तक आक्रामक अभियान चला रहा है।

पश्चिमी समर्थन में है रणनीतिक अस्पष्टता : ऑक्सफोर्ड विवि की रक्षा विश्लेषक डॉ. कैथरीन माइकल्स कहती हैं कि पश्चिमी समर्थन में रणनीतिक अस्पष्टता बड़ी समस्या है। जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका जैसे प्रमुख देशों की घरेलू राजनीति यूक्रेन के समर्थन को बाधित कर रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस के अंदर स्थित कई प्रमुख हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं, जिनसे रूस के सैन्य ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचा है। इसका उल्लेख करते हुए पुतिन ने ट्रंप से कहा कि अब रूस युद्ध को निर्णायक स्थिति की ओर ले जाएगा।

पुतिन युद्ध रोकने के पक्ष में नहीं : सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक और इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) वाशिंगटन की रिपोर्ट कहती है कि रूसी राष्ट्रपति फिलहाल युद्ध को रोके जाने के पक्ष में नहीं दिखते। रूसी सेना ने डोनेट्स्क, लुहांस्क और जापोरिझिया समेत कई इलाकों में सैन्य बढ़त बना रखी है। युद्धविराम का मतलब मौजूदा रणनीतिक लाभ को छोड़ना होगा, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि पुतिन अब कूटनीति के बजाय सैन्य दबाव से परिणाम चाहते हैं। रूस के राजनीतिक विश्लेषक फ्योदोर लुक्यानोव के अनुसार सीजफायर गारंटी देने की बात होगी।

बुर्का नहीं चाहिए.. मुस्लिम बहुल कजाकिस्तान में पर्दा प्रथा के खिलाफ कदम उठा रहे राष्ट्रपति

कजाकिस्तान,एजेंसी। अविभाजित सोवियत संघ में जासूसी उपन्यासों के लेखक के घर में पैदा हुए, पांच भाषाओं के जानकार व टेबल टेनिस खेलने के शौकीन हैं। कजाकिस्तान में पहले उप विदेश मंत्री, फिर प्रधानमंत्री और अब राष्ट्रपति के ओहदे पर पहुंचे तोकायेव 70 फीसदी मुस्लिमों के देश में बुर्के पर प्रतिबंध लगाकर आलोचकों और प्रशंसकों, दोनों की ही चर्चाओं के केंद्र बन गए हैं।

वर्ष 1991 में सोवियत संघ से मिली आजादी के बाद नूरसुल्तान नजरबायेव कजाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति बने, लेकिन उन्हें भरोसेमंद और कुशल सहयोगी की जरूरत थी, जो कूटनीति में दक्ष हो, खासकर रूस और चीन के बीच सामंजस्य बिठाते हुए इस नए देश की साख को मजबूत कर सके। करीब एक साल की खोजबीन के बाद नूरसुल्तान को न केवल विदेश नीति का कुशल रणनीतिकार, बल्कि अपना उत्तराधिकारी भी मिल गया। उसका नाम था कासिम-जोमार्ट तोकायेव, जो वर्तमान में कजाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं।

राजनीति में आधुनिकीकरण और समानता के पक्षधर तोकायेव हाल ही में कजाकिस्तान में बुर्के पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले को लेकर चर्चा में हैं। इस क्रांतिकारी कदम के लिए जहां उन्हें कट्टरपंथी मुस्लिमों की आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हैं, वहीं करीब सत्तर फीसदी मुस्लिम आबादी वाले देश में पर्दा प्रथा को खत्म कर महिलाओं को सम्मान से जीने देने की उनकी इस पहल की पूरे विश्व में वाहवाही भी हो रही है। उन्होंने 2023 में स्कूलों में भी कुछ इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था। वह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में महानिदेशक जैसा अहम पद भी संभाल चुके हैं। लंबा प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव रखने वाले 72 वर्षीय कासिम-जोमार्ट तोकायेव उत्तर में रूस और पूर्व में चीन जैसी पड़ोसी महाशक्तियों, तो अमेरिका समेत कई अहम पश्चिमी देशों के बीच संतुलन साधे हुए हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के योद्धा और मशहूर कजाक?लेखक केमेल तोकायेव और विदेशी भाषाओं की जानकार तुरार तान) में हुआ था।

अत्यधिक पर्यटन का बढ़ता विरोध, मेक्सिको सिटी में हिंसक हुआ प्रदर्शन, पर्यटकों को पीटा

मेक्सिको सिटी,एजेंसी। अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ दुनिया के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन बढ़ रहे हैं। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में तो अत्यधिक प्रदर्शन के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन हिंसक हो गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और कई विदेशी पर्यटकों को भी प्रताड़ित किया। मेक्सिको सिटी में शुक्रवार को अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे, जो देर शाम तक हिंसक हो गए।

अमेरिकी दूतावास के बाहर नारेबाजी : प्रदर्शनकारियों में कुछ नकाबपोश प्रदर्शनकारी थे, जिन्होंने हंगामा किया और मेक्सिको सिटी के कोंडेसा और रोमा जैसे पर्यटन क्षेत्रों में दुकानों की खिड़कियां और शीशे तोड़ डाले और कई दुकानों में लूटपाट भी की। इस दौरान विदेशी पर्यटकों को भी परेशान किया गया और उनके साथ हाथापाई की गई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दीवारों पर लिखा मेक्सिको से बाहर निकल जाओ।

स्थानीय लोगों की बढ़ रही परेशानी : दरअसल कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने घरों से ही ऑफिस का काम किया और इस दौरान अमेरिकी लोग मेक्सिकी सिटी या यूरोप के शहरों में रहकर ऑफिस का काम करते रहे। बड़ी संख्या में लोग अभी भी मेक्सिकी सिटी में रहकर काम कर रहे हैं। इससे शहर में घरों की कीमत कई गुना बढ़ गई है और महंगाई भी बढ़ी है। शहर के होटल-रेस्तरां में भी अक्सर भीड़ दिखती है। इससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। यही वजह है कि अब मेक्सिको सिटी के लोग अत्यधिक पर्यटन का विरोध कर रहे हैं। गौरतलब है कि मेक्सिकी सिटी ही नहीं बल्कि दुनिया के कई और शहरों में भी अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ स्थानीय लोग एकजुट हो रहे हैं।

सीमा के एक-तिहाई हिस्से को सैन्य निगरानी में लाया अमेरिका, अवैध प्रवेश रोकने के लिए विस्तार को लेकर विवाद

कोलंबर्स ,एजेंसी। अमेरिकी सेना ने न्यू मेक्सिको के रेगिस्तान में अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में नारंगी रंग के नो-एंट्री संकेत लगा दिए हैं। उसने न्यू मैक्सिको और पश्चिमी टेक्सास में हजारों चेतावनियां लगाई हैं, जिसमें क्षेत्र को कमांडर के अधिकार द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है और सीमा के एक-तिहाई लंबे हिस्से को सेना की निगरानी में ला दिया है। यह एक बड़े बदलाव का हिस्सा है। इससे देश में अवैध प्रवेश करने वालों को हिरासत में लेने की आशंका के बीच विवाद बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन का प्रयास है कि अमेरिकी सैनिकों को देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार मिल जाए। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पदभार ग्रहण करने के पहले दिन घोषित सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल अधिकार के तहत उठाया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सीमा प्रवर्तन में अंतराल को बंद करने और मानव तस्करी नेटवर्क तथा क्रूर ड्रग कार्टेल के खिलाफ व्यापक लड़ाई छेड़ने के लिए इन क्षेत्रों की आवश्यकता है।

सैन्यीकरण को अदालत में दी जा रही चुनौती : सैन्यीकरण को अदालत में चुनौती दी जा रही है, तथा नागरिक अधिकार अधिवक्ताओं, मानवीय सहायता समूहों और आउटडोर उत्साही लोगों द्वारा इसकी आलोचना की गई है। इसके तहत सैनिकों को खुली छूट देते हुए सार्वजनिक भूमि के प्रवेश पर रोक लगाने को लेकर आपत्ति जताई गई है।

प्रवासियों की मृत्यु दर बढ़ी : लापता प्रवासियों के लिए खोज और बचाव समूह की नेता एबी कारपेंटर ने कहा कि रेगिस्तान के उन हिस्सों में लोगों की पहुंच को रोका जा रहा है जहां प्रवासियों की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। हो सकता है कि और भी मौतें हुई हों, लेकिन हमें नहीं पता। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, दो सैन्यीकृत क्षेत्र 230 मील की सीमा पर एक बफर बनाते हैं, जो टेक्सास के फोर्ट हैनकॉक से लेकर एल पासो और पश्चिम की ओर विशाल न्यू मेक्सिको खेत-खलिहानों तक फैला हुआ है। यहां 7,600 सैनिक गश्त करते हैं।पाकिस्तान में हमलों को विफल करने में कामयाब रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां तक मसूद अजहर का सवाल है, अगर वह अफगानिस्तान में है, तो पश्चिम ने उसे अब एक ऐसे समूह को सौंप दिया है, जिसे वे कभी आतंकवादी कहते थे और अब वे अफगानिस्तान के प्रभारी लोगों को आतंकवादी कहते हैं। पाकिस्तान के लिए यह संभव नहीं है कि वह जाकर वह करे जो नाटो अफगानिस्तान में करने में असमर्थ रहा। पाकिस्तान के लिए इस व्यक्ति या किसी भी खतरनाक व्यक्ति को सक्रिय देखना चाहने का कोई कारण नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर से डरा पाकिस्तान-नहीं पता मसूद अजहर कहां है? शायद अफगानिस्तान में हो, बिलावल ने खुद खोली पोल

इस्लामाबाद ,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक चौंकाने वाले दावे में कहा है कि इस्लामाबाद को नहीं पता कि जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख मसूद अजहर कहां है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर भारत यह बताता है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है तो देश उसे गिरफ्तार करने में खुशी महसूस करेगा।

मसूद अजहर भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक है। वह 2001 के संसद हमले, 26/11 के मुंबई हमलों, 2016 के पठानकोट हमले और 2019 के पुलवामा हमले सहित अन्य के साजिशकर्ताओं में से एक है। अजहर को 2019 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया था। उसे 1999 में कंधार अपहरण के बाद ढ्ढष्ट-814 के यात्रियों के बदले में रिहा किया गया था।

भारत मांग कर रहा है कि पाकिस्तान अजहर और लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को सौंप दे, ताकि उन्हें उनके नापाक कामों की सजा दी जा सके। भारत ने इस्लामाबाद को कई बार दोनों के वहां सक्रिय होने के सबूत दिए हैं, लेकिन पाकिस्तान ने हर बार अपनी आंखें मूंद ली हैं।

हाफिज सईद पाकिस्तान में एक आजाद व्यक्ति नहीं : एक समाचार पोर्टल को दिए साक्षात्कार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो (जो देश में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं) ने कहा कि हाफिज सईद पाकिस्तान में एक स्वतंत्र व्यक्ति नहीं है और अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है।

अगर वह पाकिस्तानी धरती पर है, तो हमें उसे गिरफ्तार करने में बहुत खुशी होगी : एक रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल पर कि सईद आजाद है, भुट्टो ने कहा, यह सही नहीं है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है कि हाफिज सईद आजाद है। वह पाकिस्तानी राज्य की हिरासत में है। जहां तक मसूद अजहर का सवाल है, हम उसे गिरफ्तार करने या उसकी पहचान करने में असमर्थ रहे हैं। अफगान जिहाद को लेकर उसके अतीत को देखते हुए हमारा मानना है कि वह अफगानिस्तान में है। अगर और जब भारत सरकार हमारे साथ यह जानकारी साझा करती है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है, तो हमें उसे गिरफ्तार करने में बहुत खुशी होगी।

भारत से जानकारी की अपेक्षा क्यों: यह पूछे जाने पर कि पाकिस्तान अजहर के बारे में भारत से जानकारी की अपेक्षा क्यों करेगा या उसका इंतजार क्यों करेगा? पीपीपी प्रमुख ने टालमटोल लहजे में कहा, जब आप किसी देश के साथ आतंकवाद-रोधी सहयोग करते हैं, तो हम अपनी चिंता साझा करते हैं, वे अपनी चिंता साझा करते हैं। इसी तरह हम लंदन में हमलों को विफल करने में कामयाब रहे थे, न्यूयॉर्क में हमलों को विफल करने में कामयाब रहे थे ।

148 सालों में सबसे खराब गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत बनाम इंग्लैंड मैच में बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

बर्मिंघम (एजेंसी)। प्रसिद्ध कृष्णा के इंग्लैंड के खिलाफ काफी उम्मीदे थें। लेकिन वह मौजूदा टेस्ट सीरीज में इन उम्मीदों पर खर नहीं उतर रहे हैं। एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में अपने खराब प्रदर्शन के साथ प्रसिद्ध के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया है। वह टेस्ट क्रिकेट के 148 वर्ष के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट वाले गेंदबाज बन गए हैं। वर्तमान में टेस्ट में प्रसिद्ध का इकॉनमी रेट 5.26 है, जो लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने और विरोधियों को मुफ्त में मौका देने में उनकी अक्षमता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार प्रसिद्ध के नाम अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट (न्यूनतम 500 गेंद) का रिकॉर्ड है। प्रसिद्ध ने अपने टेस्ट करियर में प्रति ओवर पांच से ज़्यादा रन दिए हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की बात करें तो उन्होंने 12 ओवर में 71 रन लुटाए हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने केवल एक ओवर ही खाली फेंका। ऐसे में इस मैच में ही उनका इकोनॉमी रेट 5.90 हो गया है। इससे पहले बांग्लादेश के शहादत हुसैन के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 38 मैचों में 4.16 की इकॉनमी रेट से 3,731 रन दिए थे। हुसैन ने 2005 से 2015 के बीच बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था। मैच की बात करें तो एक समय 84 रन पर 5 विकेट गंवाने वाली इंग्लैंड टीम अब काफी मजबूत नजर आती है जिसने जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक के शतकों की बदौलत 290/5 का स्कोर बना लिया है। भारत ने अपनी पहली पारी में 587 रन बनाए जिसमें शुभमन गिल के दोरहे शतक (269) के साथ-साथ यशस्वी जायसवाल (87) और रविंद्र जडेजा (89) की पारियों ने भी इस स्कोर तक पहुंचने में मदद की।

एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप भारत की पुंगनी तारा ने जीता रजत पदक

अस्ताना (कजाकिस्तान)(एजेंसी)। भारत की पुंगनी तारा ने शुक्रवार को 2025 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 किलोग्राम भार वर्ग (युवा बालिका) में रजत पदक जीता। पुंगनी ने कुल 141 किलोग्राम वजन उठाया। उनके व्यक्तिगत भारोत्तोलनों में 60 किलोग्राम स्नैच, 81 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क शामिल थे, जिससे उनका उठाया कुल वजन 141 किलोग्राम हो गया। इस प्रदर्शन के साथ, फुंगनी ने क्लीन एंड जर्क में स्वर्ण पदक और कुल भारोत्तोलन में रजत पदक हासिल किया। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुंगनी को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पुंगनी तारा को हार्दिक बधाई देता हूं और सभी कोचों और सहयोगी स्टाफ को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। यह परिणाम हमारे एथलीटों के समर्पण और हमारी कोचिंग टीम की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, खासकर सीमित तैयारी के समय को देखते हुए। इस सफलता से चैंपियनशिप में भारतीय दल के लिए एक प्रेरक शुरुआत हो।

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 45 रन की बढ़त वेस्टइंडीज पहली पारी में 253 रन पर ऑल आउट; लायन ने 3 विकेट लिए

ग्रेनेडा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 253 रन पर ऑलआउट हो गई। नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कैरेबियाई टीम ऑस्ट्रेलिया से 45 रन पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 286 रन बनाए थे। सैम कोंस्टास बिना रन बनाए लौटे सैम कोंस्टास दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें जेडन सील्स ने बोल्ड किया, जबकि उस्मान ख्वाजा दो रन पर आउट हुए। उन्हें सील्स ने स्लुड्ड किया। दिन का खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 रन और नाइटवाचमैन नाथन लायन 2 रन बनाकर खेल रहे थे। मैदान पर अचानक आ गया कुत्ता, पैट कमिंस ने किया उसे बाहर वेस्टइंडीज टीम की बल्लेबाजी के दौरान 32.2 ओवर में ग्राउंड में अचानक एक कुत्ता आ गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उसे ब्राउंड्री लाइन के बाहर किया।

बिहार देश का पहला राज्य बनेगा, जो महिला खिलाड़ियों के लिए बनाएगा हेल्थ एंड वेलनेस पॉलिसी

पटना(एजेंसी)। पाटलिपुत्र खेल परिसर में आज बिहार सरकार द्वारा महिला खिलाडियों के विकास के लिए बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर देशभर से आए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस तरह की नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य होगा। राज्य में महिला खिलाडियों की निरंतर बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन द्वारा मेडल जीतने की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण नीति बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर हुई आज की परिचर्चा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा, उप निदेशक हिमांशु सिंह की उपस्थिति में खेल और विभिन्न क्षेत्रों की महिला विशेषज्ञों और खिलाडियों में प्रमुख रूप से बिहार पुलिस अकादमी की निदेशिका आर मल्लार विज्जी,ऑलंपियन तैराक माना पटेल ,आईआईएम बोधगया की निदेशिका डॉ.विनीता एस सहाय,प्रसिद्ध महिला उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ ब्रांड रेडियेटर की प्रबंध निदेशक हिमानी मिश्रा,दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन

के निदेशक और टॉप्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमोडोर राजेश राजगोपालन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ऋतुराज ,राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य सलाहकार ऑलंपियन गविन फरेरा,सिंपली स्पोर्ट्स फाउंडेशन की अदिति मुतालकर, खेल मनोवैज्ञानिक डॉ.प्रिया ,आईपीआरडी की कम्युनिकेशन एक्सपर्ट नूपुर झा, लीड स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट मिहिरा, एनआईएस पटियाला की खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉ.जाह्नवी दांडे,सहित 30 से ज्यादा विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी। खेल के क्षेत्र में बिहार के निरंतर आगे बढ़ने के पीछे खिलाडियों की मेहनत के साथ साथ राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास की सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान है। पिछले दशक में भारत के साथ ही बिहार ने जमीनी स्तर और अभिजात वर्ग दोनों स्तरों पर खेलों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। उल्लेखनीय रूप से, 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में, महिलाओं ने भारत के कुल पदकों में से 40त्न से अधिक का योगदान दिया। पेरिस 2024 ओलंपिक में पदक स्पर्धाओं में लैंगिक समानता का वादा करते हुए,भारत ने अपने अब तक के सबसे अधिक लिंग-संतुलित दल भेजे। वैश्विक मंचों पर इस बढ़ती उपस्थिति ने महिला एथलीटों को अच्छी पहचान दिलाई है और देश भर में लाखों युवा लड़कियों को प्रेरित किया है। इस प्रगति के बावजूद, वैश्विक स्तर पर और भारत में अधिकांश खेल प्रणालियाँ महिला एथलीटों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक ज़रूरतों के अनुरूप नहीं बनाई गई हैं। वैश्विक स्तर पर, 80 प्रतिशत महिला एथलीट मासिक धर्म से संबंधित लक्षणों का अनुभव करती हैं जो प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, फिर भी 10त्न से भी कम अपने कोच के साथ इस पर चर्चा करने में सहज महसूस करती हैं। भारत में, 82 प्रतिशत महिलाओं ने बताया है कि मासिक धर्म उनके प्रशिक्षण और प्रदर्शन में बाधा डालता है।

महिला खिलाडियों की खेल के दौरान मासिक धर्म संबंधी समस्याओं और इसके समाधानों , समुचित पोषण की कमी से होनेवाली समस्या तथा इसका निदान, शारीरिक और मानसिक रुप से खेल के लिए सक्षम बनाने के वैज्ञानिक उपायों पर विशेष ध्यान देते हुए इस नीति का ड्राफ़्ट तैयार किया गया है जिससे की राज्य में महिला खिलाडियों की भागीदारी और उनके प्रदर्शन में और सुधार लिए विभिन्न खेलों में मेडल जीत सकें।

दूसरे टेस्ट में भारत ने की दमदार वापसी, 316 रनों की बढ़त बनाई, 3 विकेट भी खोये

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 317 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 152 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और पंत मोर्चा संभाले हुए थे। करुण नायर 26 और यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायडन कार्स और जोश टंग को एक-एक विकेट मिला।

एजबेस्टन स्टेडियम में शनिवार को मैच का चौथा दिन था और पहले सेशन का खेल जारी था। टीम इंडिया ने सुबह 64/1 के स्कोर से खेलना शुरू किया। तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। जैमी स्मिथ ने 184 और हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के सहारे 587 रन बनाए।

तीसरे दिन बने यह रिकॉर्ड्स.: बेन स्टोक्स का पहला गोल्डन डक इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा।टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे।

जैमी स्मिथ ने 80 बॉल पर शतक लगाया : इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी। ब्रूक ने सबसे तेज 2500 रन बनाए इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली। इस इनिंग के साथ उनके 2500 टेस्ट रन भी पूरे हो गए। उन्होंने इतने रन सबसे कम गेंदों में पूरे कर लिए। ब्रूक ने 2500 टेस्ट रन बनाने के लिए महज 2832 गेंदें खेलीं।

इंग्लिश विकेटकीपर का सबसे बड़ा स्कोर : जैमी स्मिथ 184 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यह इंग्लैंड के किसी भी विकेटकीपर बैटर का टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर है। उन्होंने एलीस स्टीवर्ट का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 रन बनाए थे।

भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप : जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की। यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक-स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे।भारत के खिलाफ टेस्ट में 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।

नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट शुरु मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं: चोपड़ा भारत में पहली बार होगा वर्ल्ड लेवल एथलेटिक्स इवेंट

बेंगलूर (एजेंसी)। ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट की शुरुआत हो गई है। यह भारत में होने वाला पहला वर्ल्ड एथलेटिक्स टॉप लेवल इवेंट होगा। इसे नीरज चोपड़ा होस्ट कर रहे हैं। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में शाम 7 बजे से मुकाबला शुरू हुआ। मीडिया से बात करते हुए नीरज ने कहा, मेडल्स अलग बात हैं, लेकिन मैंने भारत को ऐसा कुछ दिया है जो कभी नहीं हुआ था। मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि युवा भारतीय जेवलिन थ्रोअर को वर्ल्ड क्लास एथलीट्स के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

क्या है नीरज चोपड़ा क्लासिक: नीरज चोपड़ा क्लासिक एक दिवसीय कॉन्टिनेंटल टूर मीटिंग है, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड स्टेटस मिला है। यह भारत में आयोजित होने वाली पहली ट्रैक एंड फील्ड मीटिंग है। दुनिया भर में वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और डायमंड लीग मीटिंग्स के अलावा, कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट्स की एक सीरीज होती है, जिन्हें कई श्रेणियों जैसे, (गोल्ड), क्ब (सिल्वर), ष्ट (ब्रॉन्ज) और चैलेंजर इवेंट्स में बांटा गया है।

गोल्ड स्टेटस के साथ, नीरज चोपड़ा क्लासिक डायमंड लीग के बाद सबसे बड़ा इवेंट माना जा रहा है। हाल ही में चेक गणराज्य में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक, जहां नीरज ने जीत दर्ज की थी। वह एक गोल्ड-रेटेड वर्ल्ड एथलेटिक्स इवेंट है जो 1961 से चला आ रहा है। ऐसे ही टूर्नामेंट की तर्ज पर नीरज चोपड़ा क्लासिक की शुरुआत हो रही है।

इस इवेंट में भाग लेने वाले एथलीट्स को सितंबर में टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने में मदद करने के लिए पॉइंट्स मिलेंगे।

कैसे शुरू हुआ नीरज क्लासिक : नीरज चोपड़ा ने ओलिंपिक जीतने के बाद से ही चाहा था कि भारत में भी वर्ल्ड क्लास का एथलेटिक्स इवेंट हो। इस सपने को (जिंदल साउथ वेस्ट) स्पोर्ट्स और कई स्पॉन्सर्स के साथ मिलकर पूरा किया गया है। नीरज न सिर्फ इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बल्कि आयोजन, प्रचार, खिलाड़ियों के बुलावे से लेकर मैदान की तैयारी तक हर स्तर पर उन्होंने खुद को शामिल किया।

यह उतरेंगे मैदान में : 12 टॉप इंटरनेशनल और भारतीय जैवलिन थ्रोअर इस मुकाबले में हिस्सा ले रहे हैं। 2016 के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर और रियो के सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो भी इस इवेंट में भाग लेंगे। स्न के कर्टिस थॉम्पसन, जिनका सीजन का बेस्ट 87.76 मीटर है, भी एक्शन में होंगे। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स इस महीने की शुरुआत में चोट के कारण मीट से बाहर हो गए थे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर की अगली पीढ़ी भी एक्शन में होगी। 25 साल से कम उम्र के 4 प्लेयर्स को बड़ा मंच मिलेगा। सचिन यादव, जिन्हें जेवलिन में अगली बड़ी चीज माना जाता है। उनका पर्सनल बेस्ट 85.16 है। 22 वर्षीय यशवीर सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया था। वो भी एक्शन में होंगे।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

जाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश : गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया। गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था। छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था। ग्रेब सुपरयूनाइटेड टूर्नामेंट में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया।

तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे : टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। उनकी इस दिन की शुरुआत डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ के साथ हुई। उसके बाद क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों वाला लंबा मुकाबला खेला। यह मैच भी ड्रॉ रहा।

प्रगनानंद ने सिर्फ एक जीत हासिल की : इस टूर्नामेंट में प्रगनानंद का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ एक जीत इवान शारिक के खिलाफ दर्ज की। वहीं, 7 मुकाबले ड्रॉ खेले, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कुल 9 अंक अर्जित किए। प्रगनानंद बुखारेस्ट फेज में विनर और वारसॉ में तीसरे स्थान पर रह चुके हैं। इससे वह ग्रैंड चेस टूर के ओवरऑल रैंकिंग में अब भी प्रबल दावेदार बने हुए हैं। कार्लसन और डूडा किस पोजिशन पर रहे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मिला नया फील्डिंग कोच, ऑस्ट्रेलियाई शेन मैकडरमॉट को मिली जिम्मेदारी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के तीन मैचों के टी20 दौरे से पहले प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई फील्डिंग विशेषज्ञ शेन मैकडरमॉट को सभी प्रारूपों के फील्डिंग कोच के रूप में नियुक्त किया है। मैकडरमॉट को पाकिस्तान के नए व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन ने अत्यधिक अनुशंसित किया है और बांग्लादेश दौरे से पहले उनके टीम में शामिल होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस सप्ताह के अंत में आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है।

इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के पास व्यापक अनुभव है, उनके पास हाई परफॉर्मेंस लेवल थ्री कोचिंग सर्टिफिकेट है और उन्होंने बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन और क्रिकेट तस्मानिया सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और घरेलू टीमों के साथ काम किया है। 2022 से 2023 तक मैकडरमॉट बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के सहायक फील्डिंग कोच के रूप में काम कर चुके हैं। लेकिन तत्कालीन मुख्य कोच चंदिका हथुरूसिंघे के साथ मतभेदों के कारण टीम से अलग हो गए।

इससे पहले उन्होंने श्रीलंका की सीनियर पुरुष टीम के साथ उनके फील्डिंग कोच के रूप में तीन साल बिताए और अपने कार्यकाल के दौरान श्रीलंका ए टीम की कमान भी संभाली। बांग्लादेश में अपने कार्यकाल के बाद मैकडरमॉट अफगानिस्तान के कोचिंग स्टाफ में शामिल हो गए, जहां उन्हें जून 2024 में आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम की प्रभावशाली यात्रा में उनकी भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा मिली। अपने करियर के शुरुआती दिनों में 2012 से 2019 तक उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय क्रिकेट केंद्र में कई भूमिकाएं निभाईं, जिसमें अंतरिम सहायक/फील्डिंग कोच और ऑस्ट्रेलिया ए टीम के लिए अंतरिम विश्लेषक और फील्डिंग कोच शामिल थे।

पाकिस्तान का व्यस्त कार्यक्रम बांग्लादेश के दौरे से शुरू होगा, उसके बाद वेस्टइंडीज में पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला होगी। इस सप्ताह की

सिविल लाइन थाने में स्कूटी में लगी मिली हथकड़ी, मचा हड़कंप

रायपुर। सिविल लाइन थाना परिसर में एक स्कूटी में हथकड़ी लगे मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। स्कूटी थाना परिसर के अंदर खड़ी थी और उसमें पिछली सीट पर साफ़ तौर पर एक लोहे की हथकड़ी बंधी हुई थी। यह दृश्य देखकर लोगों में चर्चा का विषय बन गया कि आखिर स्कूटी में हथकड़ी क्यों लगाई गई और किस संदर्भ में लाई गई थी। फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कुछ सूत्रों का कहना है कि यह किसी बीते मामले में जब्त की गई स्कूटी हो सकती है, लेकिन हथकड़ी लगे होने का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच के बाद ही स्थिति साफ़ हो सकेगी। थाने के स्टाफ और अधिकारियों की ओर से मामले की आंतरिक जांच की जा रही है कि यह स्कूटी किस मामले से जुड़ी है और इसमें हथकड़ी कैसे और क्यों लगाई गई।

खमतराई में धारदार चाकू लहराने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर । रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत भनपुरी शराब दुकान के पास शुक्रवार को एक युवक धारदार चाकू लेकर आम नागरिकों को आतंकित कर रहा था। सूचना मिलते ही थाना खमतराई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान दिनेश श्रीवास पिता दुर्गा प्रसाद श्रीवास (उम्र 25 वर्ष), निवासी जागृति नगर, छठंवा तालाब, भनपुरी थाना खमतराई, जिला रायपुर के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद किया गया है।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी दिनेश श्रीवास पूर्व में चोरी और नकबजनी जैसे आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। इस बार भी उसके खिलाफ थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 725/25 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। खमतराई पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में किसी अनहोनी की आशंका को समय रहते टाल दिया गया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि इस तरह की कोई भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू बैठक में बनी कार्यक्रम की रूपरेखा

रायपुर । प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन प्रातः 9 बजे से होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा।समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम में भाग लेने वाली टूकड़ियों के निर्धारण एवं रिहर्सल हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा पुलिस महानिदेशक के मार्ग दर्शन में सभी तैयारियां एवं व्यवस्था की जाएगी। इसी तरह से यातायात, पार्किंग, ट्रैफिक-सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई की व्यवस्था तथा मंच/पंडाल व्यवस्था और बैठक व्यवस्था का निर्धारण आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के द्वारा की जाएगी। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण स्कूल शिक्षा विभाग तथा सांस्कृतिक विभाग द्वारा किया जाएगा। जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के निर्धारण के संबंध में शीघ्र ही निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। इसी तरह से स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में अन्य विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा चंपावत, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. रवि मित्तल सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

जन सामान्य को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करें: प्रभारी सचिव

ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने कार्ययोजना जरूरी

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव एवं बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन परिसर में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रभारी सचिव श्रीमती कंगाले ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया जाना चाहिए। उन्होंने जिले में ईको-टूरिज्म की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए इस दिशा में एक समग्र एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।प्रभारी सचिव ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए अविवादित, विवादित नामांतरण, सीमांकन, त्रुटि सुधार सहित लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि इन समुदायों को शासन की मुख्यधारा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा में उन्होंने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने तथा लक्ष्यानुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मनरेगा अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्राप्त उपलब्धियों की भी जानकारी ली गई।बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने पूर्व पंजीकृत कृषकों का अद्यतन पंजीयन भारत सरकार के निर्देशानुसार पूर्ण कराने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए तथा शिक्षकों को समय-समय पर आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार हो सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में लिया गया बड़ा निर्णय : उद्योग विभाग को सौंपा जाएगा जशप्योर का ट्रेडमार्क

जशप्योर बनेगा ग्लोबल ब्रांड : जशपुर से निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच का मार्ग प्रशस्त

रायपुर । छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल जशपुर की आदिवासी महिलाओं के समूह द्वारा प्राकृतिक वनोपज का प्रसंस्करण कर तैयार की गई विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रियों का ब्रांड जशप्योर अब जशपुर और छत्तीसगढ़ की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कदमताल करने को तैयार है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल अभियान को आत्मसात करते हुए एक अहम निर्णय लिया गया है जिसके तहत जशपुर जिले की महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित ब्रांड जशप्योर का ट्रेडमार्क अब उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय जशप्योर को व्यापक उत्पादन, संस्थागत ब्रांडिंग और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच दिलाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है। जशप्योर ङ्क परंपरा को उद्यमिता से जोड़कर खोली उन्नति की राह जशप्योर ब्रांड महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला उपक्रम है, जिसे जशपुर जिले की आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक, पोषणयुक्त और रसायनमुक्त खाद्य उत्पादों का निर्माण करते हुए स्थानीय समुदायों को रोजगार उपलब्ध कराना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। इस ब्रांड का लक्ष्य छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि और वनोपज का प्रसंस्करण कर खाद्य उत्पादों के रूप में तैयार करना तथा रोजगार से जोड़ते हुए व्यावसायिक स्तर पर इन्हें व्यापक पहचान दिलाना है। जशप्योर के उत्पादों की मुख्य विशेषता यह है कि ये पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिज़र्वेटिव, रंग या कृत्रिम स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता और ये सस्टेनेबल पैकेजिंग में उपलब्ध हैं। जशप्योर केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी माटी की महक, आदिवासी बहनों की मेहनत और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का प्रतीक बन चुका है।

जशप्योर के उत्पाद बना रहे हैं अपनी अलग पहचान: जशप्योर द्वारा महुआ और अन्य वनोपज को शामिल करते हुए कई प्रकार के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें महुआ आधारित उत्पाद जैसे महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, महुआ कुकीज़, रागी महुआ लड्डू, महुआ कैंडी और महुआ नेक्टर कोकोआ शामिल हैं। इसके अलावा, ढेकी कूटा जवा फूल चावल, मिलेट आधारित पास्ता और कोदो, कुटकी, रागी तथा टाऊ से बने विभिन्न उत्पाद भी पूरे भारत में अपनी पहचान बना रहे हैं।

महिला उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा: जशप्योर ब्रांड का उद्देश्य केवल व्यापार नहीं है, बल्कि यह आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का एक सशक्त प्रयास भी है। इस ब्रांड के माध्यम से महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हुई हैं। जशप्योर द्वारा निर्मित हर उत्पाद आदिवासी महिलाओं की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। ये उत्पाद देशभर के विभिन्न स्टोर्स पर उपलब्ध हैं, जो ब्रांड की व्यापक पहुँच का प्रमाण हैं। जशप्योर के सभी उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिज़र्वेटिव, कृत्रिम रंग या स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता। यह उत्पाद श्रृंखला न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण से भरपूर और पर्यावरण-संवेदनशील पैकेजिंग में उपलब्ध है। जशप्योर के प्रमुख उत्पादों में महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, रागी महुआ लड्डू, महुआ कुकीज़, महुआ कोकोआ ड्रिंक, कोदो, कुटकी, रागी आधारित पास्ता और ढेकी कूटा चावल शामिल हैं।

जशप्योर की सबसे खास बात इसकी महिला प्रधान कार्यशक्ति है। यहां 90 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी आदिवासी महिलाएं हैं, जो उत्पादन से लेकर पैकेजिंग तक हर स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इस मंच के माध्यम से ये महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि परंपरागत ज्ञान और तकनीकों को आधुनिक बाजार में प्रस्तुत करने में भी सक्षम हो रही हैं।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया: 20 सितंबर 2024 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में जशप्योर का स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले उपभोक्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और उद्यमियों ने विशेष रुचि के साथ महुआ और मिलेट से बने उत्पादों की सराहना की। इन उत्पादों में कोई एडिटिव, प्रिज़र्वेटिव या स्टेबलाइजर नहीं है, जिससे ये पूरी तरह से प्राकृतिक, सुरक्षित और पोषणयुक्त हैं।

रेयर प्लेनेट के साथ ऐतिहासिक समझौता: जशप्योर की पहुँच अब देशभर के प्रमुख एयरपोर्ट स्टोर्स तक होगी। रेयर प्लेनेट के साथ हुए समझौते के तहत पहले चरण में पाँच एयरपोर्ट्स पर महुआ और अन्य उत्पादों की बिक्री शुरू की जा रही है। यह पहल जशप्योर को राष्ट्रीय उपभोक्ताओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस एमओयू पर हस्ताक्षर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किए गए, जो राज्य के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जशप्योर : लोकल टू ग्लोबल की राह पर अग्रसर: जशप्योर से जुड़े जशपुर जिले के युवा वैज्ञानिक श्री समर्थ जैन ने बताया कि जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से ÷महुआ को अब केवल शराब तक ही सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे फॉरेस्ट गोल्ड या ग्रीन गोल्ड के रूप में भी देखा जाएगा।÷ जशप्योर ने यह साबित कर दिया है कि स्वास्थ्यवर्धक भोजन स्वादिष्ट भी हो सकता है। उनका मानना है कि शासन की इस पहल से जशप्योर को लोकल टू ग्लोबल ब्रांड बनाने में मदद मिलेगी और निश्चित ही यह निर्णय प्रदेश भर में वनोपज और स्थानीय उत्पादकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। ब्रांड ट्रेडमार्क हस्तांतरण के इस ऐतिहासिक निर्णय से जशप्योर को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही कच्चे माल की माँग में वृद्धि होगी और आदिवासी महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होंगे। इस निर्णय से जशप्योर ब्रांड का ट्रेडमार्क उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा, ताकि इसके दायरे और प्रभाव को और व्यापक बनाया जा सके। इससे जशप्योर के उत्पादों को विश्वस्तरीय बनाने, उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत मशीनें लगाने और प्रभावी मार्केटिंग सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

ईरकभट्टी के बच्चों की आँखों में लौटी चमक बंद स्कूल में फिर से गूंजे क, ख, ग

नियद नेल्ला नार और युक्तियुक्तकरण से माओवाद प्रभावित गाँव में लौटी शिक्षा की रौशनी

रायपुर । कभी वीरान पड़ा था ये स्कूल.... दरवाजों पर ताले लटकते थे, कमरे धूल और सन्नाटे से भरे रहते थे। लेकिन आज वही ईरकभट्टी का प्राथमिक शाला बच्चों की चहचहाहट और पाठों की गूंज से फिर से जीवंत हो उठा है। अबुझमाड़ के इस सुदूर गांव में फिर से शिक्षा की लौ जल उठी है, जिसका श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा संचालित 'नियद नेल्ला नार' योजना और युक्तियुक्तकरण की पहल को जाता है। बीते कुछ वर्षों में माओवादी गतिविधियों के चलते गांवों की रंगत फीकी पड़ गई थी। बच्चों के हाथों से किताबें छूट गई थीं, स्कूलों के आँगन सुनसान हो गए थे और मांदर की थाप भी खामोश हो गई थी। नारायणपुर जिले के ईरकभट्टी भी ऐसा ही एक गांव था, जहां लोग हर हाल में जीवन को संवारने की कोशिश करते थे, लेकिन शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत तक से वंचित थे। यहां के निवासी श्री रामसाय काकड़ाम कहते है कि पहले लगता था कि हमारे बच्चे शायद कभी स्कूल का नाम भी नहीं जान पाएंगे, लेकिन अब जब शिक्षकों की नियुक्ति हो गई है और स्कूल फिर से खुल गया है, तो लगता है मानो गाँव में फिर से जान लौट आई हो। 'नियद नेल्ला नार' यानी 'आपका अच्छा गांव' योजना ने ईरकभट्टी जैसे दूरदराज और संघर्षरत गांवों में एक नई उम्मीद जगाई है। सुरक्षा कैंपों के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में योजनाओं को प्रभावी तरीके से पहुँचाया जा रहा है। इसी क्रम में ईरकभट्टी में सड़क बनी, बिजली पहुंची और वर्षों से बंद पड़ा प्राथमिक स्कूल फिर से खुल गया। शासन के युक्तियुक्तकरण प्रयास से प्राथमिक शाला ईरकभट्टी में अब दो शिक्षक नियमित रूप से पदस्थ हैं। श्री अशोक भगत और श्रीमती लीला नेताम नामक शिक्षक यहां के बच्चों को पढ़ा रहे हैं। वे न केवल पठन-पाठन का कार्य कर रहे हैं, बल्कि अभिभावकों को भी प्रेरित कर रहे हैं कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें। शिक्षिका श्रीमती लीला नेताम बताती हैं कि पहले तो यहां डर लगता था, लेकिन बच्चों की मुस्कुराहट सब डर भुला देती है। ये बच्चे बहुत होशियार हैं, बस उन्हें अवसर की जरूरत थी। अब हम हर दिन उन्हें नया सिखाने का प्रयास करते हैं। अब स्कूल में दर्जन भर से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। छोटे-छोटे हाथों में किताबें हैं, और उन आंखों में भविष्य के सपने। पहले जो गांव स्कूल जाने के नाम से डरते थे, अब वहां लोग अपने बच्चों को कंधे पर बिठाकर स्कूल छोड़ने आते हैं। गांव के बुजुर्ग मंगतु बाई की आंखों में आंसू हैं, लेकिन खुशी के। वे कहती हैं कि अब हमारी पोती भी पढ़-लिखकर अफसर बन सकती है। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि ये दिन भी देखेंगे। ईरकभट्टी की कहानी सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि उन हजारों गाँवों की है, जो कभी उपेक्षा और असुरक्षा के अंधेरे में डूबे हुए थे। लेकिन अब 'नियद नेल्ला नार' और युक्तियुक्तकरण जैसी योजनाएं उनके जीवन में उजाले की किरण लेकर आई हैं। शिक्षा की लौ फिर से जल चुकी है और यह लौ अब बुझने वाली नहीं।

मत्स्य संपदा योजना से किसान की आय हुई दुगनी - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार

रायपुर, / छत्तीसगढ़ शासन की मत्स्य संपदा योजना किसानों के लिए एक महत्त्वाकांक्षी और लाभकारी योजना साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मत्स्य पालन के लिए आवश्यक संसाधन जैसे आइस बॉक्स और मछली पकड़ने का जाल निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक के ग्राम छतौद निवासी किसान श्री दाऊलाल धीवर ने बताया कि उन्होंने मत्स्य पालन विभाग में योजना का आवेदन किया था, जिसके तहत उन्हें विभाग द्वारा एक आइस बॉक्स और मछली पकड़ने का जाल उपलब्ध कराया गया। श्री धीवर ने बताया कि योजना से पूर्व वे मछली पकड़ने के लिए किराए पर जाल लेते थे, जिससे आय में कमी आती थी। उस समय उनकी वार्षिक आय लगभग 20 से 25 हजार रुपए होती थी। लेकिन योजना का लाभ मिलने के बाद, स्वयं का जाल और आइस बॉक्स होने से उनकी आय अब बढ़कर लगभग 40 से 50 हजार रुपए प्रति वर्ष हो गई है। उन्होंने कहा, ÷यह सरकार की एक बहुत ही उपयोगी योजना है, जिससे हमें सीधे तौर पर आर्थिक लाभ मिला है। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार प्रकट करता हूं। मत्स्य संपदा योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है, बल्कि लाभार्थियों की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर रही है।

छत्तीसगढ़ में वैकल्पिक उर्वरकों की कोई कमी नही

डी.ए.पी. की कमी को पूरा करने छत्तीसगढ़ सरकार की प्रभावी पहल

रायपुर । राज्य में खरीफ सीजन 2025 के दौरान विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की मांग को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने समय रहते न सिर्फ इसकी ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की बल्कि रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति भंडारण एवं वितरण व्यवस्था पर भी लगातार निगरानी रख रही है, जिसके चलते राज्य में रासायनिक उर्वरकों के भण्डरण एवं उठाव की स्थिति बेहतर बनी हुई है। डी.ए.पी. की कमी को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने एन.पी.के., सुपर फास्फेट और नेनो डी.ए.पी. जैसे वैकल्पिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर किसानों के हितों का ध्यान रखा है। छत्तीसगढ़ में अब तक विभिन्न प्रकार के 12.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण कर लिया गया है, जिससे खरीफ सीजन में किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध हो सकें।

छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ 2025 में पूर्व में कुल 14.62 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित था। इसमें यूरिया 7.12 लाख, डी.ए.पी. 3.10 लाख, एन.पी.के. 1.80 लाख, पोटाश 60 हजार तथा सुपर फास्फेट 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में कुल 12.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण किया जा चुका है। डीएपी की आपूर्ति में कमी के चलते उर्वरक वितरण के लक्ष्य को संशोधित कर अन्य वैकल्पिक उर्वरकों जैसे- एनपीके, एसएसपी के लक्ष्य में 4.62 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसके चलते खरीफ सीजन 2025 में विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की वितरण का लक्ष्य 17.18 लाख मीट्रिक टन हो गया है। राज्य में अब तक 5.63 लाख मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण एवं 3.76 लाख मीट्रिक टन का वितरण किया गया है। किसानों को अभी 1.86 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हेतु उपलब्ध है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि यूरिया का उपयोग धान फसल में तीन बार किया जाता है। पहली बार बुवाई अथवा रोपाई के समय कुल अनुशंसित मात्रा का 30 प्रतिशत, दूसरी बार 3 से 4 सप्ताह बाद कन्से निकलने के समय एवं तीसरी बार 7 से 8 सप्ताह बाद गभौट अवस्था में किया जाता है। इस प्रकार यूरिया का उपयोग बुवाई से लेकर सितंबर तक विभिन्न अवस्थाओं में किया जाना है, जिसके अनुरूप राज्य में यूरिया की चरणबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। डी.ए.पी. के आयात में राष्ट्रीय स्तर पर कमी को देखते हुए राज्य शासन ने समय रहते वैकल्पिक उर्वरकों की दिशा में ठोस पहल की है, जिसके चलते एन.पी.के. को लक्ष्य बढ़ाकर 4.90 लाख तथा सुपर फास्फेट का 3.53 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया। वर्तमान में एन.पी.के. 11 हजार एवं सुपर फास्फेट 54 हजार मीट्रिक टन, लक्ष्य से अधिक भंडारित है, जिससे 23 हजार 600 मीट्रिक टन डी.ए.पी. में उपलब्ध फॉस्फेट तत्व की पूर्ति होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य को चालू माह जुलाई में आपूर्ति प्लान के अनुसार कुल 2.33 लाख मी. टन उर्वरक मिलेगी। जिसमें यूरिया 1.25 लाख, डी.ए.पी. 48,850, एन.पी.के. 34,380, पोटाश 10 हजार एवं सुपर फास्फेट 76 हजार मी. टन शामिल हैं। जुलाई के अंत तक डी.ए.पी. का कुल भंडारण 1.95 लाख मी. टन तक होने की उम्मीद है। राज्य में डी.ए.पी. की कमी से बचाव हेतु 25 हजार मी. टन सुपर फास्फेट एवं 40 हजार मी. टन एन.पी.के. के अतिरिक्त भंडारण का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, नैनो डी.ए.पी. उर्वरक को बढ़ावा देने हेतु सहकारी क्षेत्र में एक लाख बाटल का भंडारण किया जा रहा है, जिससे 25 हजार मीट्रिक टन पारंपरिक डी.ए.पी. की आवश्यकता की पूर्ति होगी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अप्रैल माह से ही वैकल्पिक उर्वरकों के प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर पैम्फलेट तैयार कर समस्त सहकारी समितियों एवं उपार्जन केन्द्रों में प्रदर्शित किए गए डीएपी, उर्वरक के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के बारे में किसानों को जानकारी दी गई।

स्वत्वाधिकारी,प्रकाशक,संपादक रामविलास शर्मा, मुद्रक द्वारा आशमा पब्लिसर्स इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छत्तीसगढ) से मुद्रित व एमआईजी 101 ब्लॉक-3 चिल्ली हाइट्स भावना नगर रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित।
प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मो. 8109772535 email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक CHHHIN/2007/22449 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।)